सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

केजरीवाल बोले- पाकिस्तान के साथ मैच खेलना देश के साथ गद्दारी -पेज: 7 | सई मांजरेकर ने बताया साउथ सिनेमा और बॉलीवुड में अंतर -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 158 | सोमवार 15 सितंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

मैं यहां लोगों की सेवा करने आया हूं, पैसा कमाने नहीं": रैली में बोले एक्टर विजय

नई दिल्ली (एजेंसी): अभिनेता से नेता बने विजय ने शनिवार रात कहा कि वह राजनीति में केवल लोगों की सेवा करने के इरादे से आए हैं, धन कमाने के लिए नहीं। विजय ने कहा कि उनका उद्देश्य तमिलनाडु को भ्रष्टाचार से मुक्त करना तथा विवेकपूर्ण शासन प्रदान करना है। यहां एक रैली संबोधित करते हुए तमिलगा वेत्री कषगम के प्रमुख विजय ने कहा, पैसे को लेकर क्या बड़ी बात है? मैंने इसे काफी देख लिया है। क्या मुझे पैसा कमाने के लिए राजनीति में आना चाहिए? कोई जरूरत नहीं है। आपकी सेवा के अलावा मेरा कोई और उद्देश्य नहीं है।" तमिलनाडु में एक विकल्प के रूप में उभरने के लिए संघर्ष कर रहे तमिला वेत्री कझगम (टीवीके) प्रमुख और एक्टर विजय ने एक राष्ट्र, एक चुनाव और परिसीमन को लेकर केंद्र पर हमला बोला। टीवीके के साथ आगामी तमिलनाडु चुनावों में पदार्पण कर रहे विजय ने कहा कि एक राष्ट्र, एक चुनाव हत्या के समान होगा

'पाकिस्तान का झूठ, कांग्रेस का एजेंडा बन जाता है', असम के दरांग में विपक्ष पर जमकर बरसे पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को असम के दरांग पहुंचे थे। यहां उन्होंने राज्य को कई विकास परियोजनाओं की सौगात दी। पीएम मोदी ने असम की धरती से कांग्रेस पर निशाना भी साधा। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस सत्ता में थी, तब पूरा देश आतंक से लहूलुहान होता था और कांग्रेस चुपचाप खड़ी रहती थी। पीएम ने कहा, 'आज हमारी सेना ऑपरेशन सिंदूर चलाती है, पाकिस्तान के कोने-कोने से आतंक को उखाड़ फेंकती है, लेकिन कांग्रेस के लोग पाकिस्तान की सेना के साथ खड़े हो जाते हैं। कांग्रेस के लोग हमारी सेना की बजाय आतंकियों को पालने वालों के एजेंडों को आगे बढ़ाते हैं। पाकिस्तान का झूठ कांग्रेस का एजेंडा बन जाता है। इसलिए आपको कांग्रेस के प्रति हमेशा सतर्क रहना चाहिए।'

जन्माष्टमी की दी शुभकामनाएं पीएम मोदी ने असमवासियों का आभार जताते हुए कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर के बाद मेरा पहली बार असम आना हुआ है। मां कामाख्या के आशीर्वाद से ऑपरेशन सिंदूर को जबरदस्त सफलता मिली। इसलिए आज मां कामाख्या की धरती पर आकर एक अलग ही पुण्य अनुभव हो रहा है। आज यहां जन्माष्टमी मनाई जा रही है। आप सभी को जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं।' पीएम ने कहा, 'कुछ दिन पहले ही हमने भारत रत्न सुधाकंठ भूपेन हजारिका जी का जन्मदिवस मनाया है। कल उनके सम्मान में आयोजित एक बहुत बड़े कार्यक्रम का हिस्सा बनने का अवसर मुझे मिला। असम की ऐसी महान संतानों और हमारे पूर्वजों ने असम के लिए जो सपना देखा था, उसे पूरा करने में भाजपा की डबल इंजन सरकार पूरी निष्ठा से जुटी हुई है।' खुद को बताया शिव भक्त प्रधानमंत्री ने कहा, 'मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने आज मुझे कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष का एक बयान दिखाया। जिस दिन भारत सरकार ने इस देश के महान सपूत और असम के गौरव भूपेन दा

पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख किया और कहा कि.....

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम के दरांग में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। उन्होंने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि जब कांग्रेस सत्ता में थी तब देश आतंक से लहूलुहान था। पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख किया और कहा कि कांग्रेस पाकिस्तान के साथ खड़ी है।

हजारिका जी को भारत रत्न से सम्मानित किया, उसी दिन कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष ने बयान दिया था कि मोदी 'नाचने-गाने वालों को' भारत रत्न दे रहा है।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जवाहर लाल नेहरू का जिक्र करते हुए कहा, '1962 में चीन के साथ जो युद्ध हुआ था, उसके बाद पंडित नेहरू ने जो कहा था, नॉर्थ-ईस्ट के लोगों के वे घाव आज भी भरे नहीं हैं, और उस घाव पर कांग्रेस की वर्तमान पीढ़ी भी नमक छिड़कने का काम कर रही है। आम तौर पर मुझे कितनी भी गालियां देंङ्क मैं तो भगवान शिव का भक्त हूं, सारा जहर निगल लेता हूं, लेकिन जब बेशर्मी के साथ किसी और का अपमान होता है, तब मुझसे सहा नहीं जाता।' कांग्रेस पर बोला हमला पीएम ने कहा, 'मैं जानता हूं, कांग्रेस का पूरा इकोसिस्टम आज मुझ पर टूट पड़ेगा कि मोदी फिर से रोना रोने लगा। मेरे लिए तो जनता-जनार्दन ही मेरा भगवान है, और मेरे भगवान के पास जाकर मेरी आत्मा की आवाजं नहीं निकलेगी तो और कहां निकलेगी। यही मेरे मालिक हैं, यही मेरे पूजनीय हैं, यही मेरा रिमोट कंट्रोल हैं, और कोई मेरा रिमोट कंट्रोल नहीं है।' असम की सभा में पीएम ने विकसित भारत का संकल्प भी दोहराया। उन्होंने कहा, 'पूरा देश आज विकसित भारत के निर्माण के लिए एकजुट होकर आगे बढ़ रहा है। खासतौर पर हमारे जो नौजवान साथी हैं। उनके लिए विकसित भारत सपना भी है और संकल्प भी है। इस संकल्प की सिद्धि में हमारे नॉर्थ ईस्ट की बहुत बड़ी भूमिका है।' पीएम बोले, '21वीं सदी के 25 साल बीत चुके हैं। अब 21वीं सदी का ये अगला हिस्सा ईस्ट का है, नॉर्थ ईस्ट का है। कांग्रेस के लिए अपने वोट बैंक का हित सबसे बड़ा है। कांग्रेस देशहित की कभी परवाह नहीं करती है।

खत्म हुआ नेपाल में राजनीतिक संकट, सुशीला कार्की ने संभाला पीएम का पद, कहा- सत्ता का स्वाद चखने नहीं...

नई दिल्ली (एजेंसी): नेपाल में कई हफ्तों तक चले सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद, 73 वर्षीय सुशीला कार्की ने शनिवार को देश की पहली अंतरिम महिला प्रधानमंत्री के रूप में पदभार संभाला। इन प्रदर्शनों का नेतृत्व मुख्य रूप से जेन जी के युवाओं ने किया था, जो भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के खिलाफ आवाज उठा रहे थे। राजनीतिक उथल-पुथल का अंत प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के अचानक इस्तीफे के बाद, नेपाल में राजनीतिक अनिश्चितता का दौर चल रहा था। प्रदर्शनकारियों द्वारा उनके कार्यालय पर धावा बोलने और देशव्यापी अशांति के बाद, जिसमें 50 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी, ओली को पद छोड़ना पड़ा। सुशीला

कार्की की नियुक्ति के साथ इस राजनीतिक संकट का अंत हुआ। उन्होंने शुक्रवार रात शपथ ली और अगले दिन अपना कार्यभार संभाला। कार्की की प्राथमिकताएं और वादे पदभार संभालने के बाद कार्की ने कहा कि उनकी सरकार का लक्ष्य सत्ता का आनंद लेना नहीं, बल्कि देश को स्थिरता प्रदान करना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी सरकार छह महीने से ज्यादा नहीं रहेगी और वे नई संसद को जिम्मेदारी सौंपेंगे। कार्की ने कहा, 'हमारा पहला काम बर्बरता की घटना में शामिल लोगों की जांच करना होगा।' उन्होंने 'आर्थिक समानता और भ्रष्टाचार के उन्मूलन' की मांग करने वाले 27 घंटे के आंदोलन को अपनी सरकार की पहली प्राथमिकता बताया। काठमांडू में सामान्य होते हालात कई दिनों तक चले तनावपूर्ण विरोध प्रदर्शनों के बाद, रविवार को काठमांडू और अन्य शहरों की सड़कें सामान्य होती दिखीं। यातायात हल्का था, कुछ दुकानें फिर से खुल गईं और तनाव कम होने के संकेत साफ नजर आए। चीन ने दी बधाई सुशीला कार्की के पदभार संभालने पर चीन ने उन्हें बधाई दी है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि चीन नेपाल के लोगों द्वारा चुने गए विकास पथ का सम्मान करता है। उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए नेपाल के साथ मिलकर काम करने की इच्छा भी व्यक्त की।

मोहन भागवत का दुनिया को संदेश, टकराव की जड़ श्रेष्ठता का भाव, हम सब एक हैं का मंत्र जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी): राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने इंदौर के ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल की पुस्तक 'परिक्रमा कृपासार' के विमोचन समारोह को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने भारत की आस्था को 'प्रत्यक्ष अनुभूति' पर आधारित बताया और कहा कि यह कोई काल्पनिक आस्था नहीं, बल्कि ऐसी आस्था है जिसे कोई भी व्यक्ति अपने प्रयासों से अनुभव कर सकता है। भागवत ने कहा कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण के लिए प्रत्यक्ष प्रमाण की आवश्यकता होती है, लेकिन आज के समय में खुद को वैज्ञानिक कहने वाले लोगों के पास भी प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं हैं। इसके विपरीत, भारत की आस्था के लिए

प्रत्यक्ष प्रमाण मौजूद हैं, जिन्हें प्रयास और प्रयोगों से प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने भारत के गौरवशाली अतीत का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारे पूर्वजों द्वारा दी गई 'पवित्रता की चेतना और भावना' के कारण, भारत 3000 वर्षों तक दुनिया का सर्वश्रेष्ठ देश था। उन्होंने आगे कहा कि उस दौरान तकनीकी प्रगति बहुत अधिक थी, लेकिन पर्यावरण का कोई क्षरण नहीं हुआ। मानव जीवन सुखी और सुसंस्कृत था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत ने दुनिया का नेतृत्व किया, लेकिन कभी किसी देश पर विजय नहीं पाई, न ही किसी के व्यापार को दबाया या किसी का धर्मांतरण किया। उन्होंने कहा, 'हम जहां भी गए, हमने सभ्यता और ज्ञान दिया, हमने शास्त्रों की शिक्षा दी और जीवन को बेहतर बनाया।' 'हम सब एक हैं' के सिद्धांत पर दिया जोर मोहन भागवत ने विश्व में होने वाले टकरावों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि दुनिया में संघर्ष इसलिए होते हैं क्योंकि लोग 'भगवान' के एक होने या अनेक होने पर बहस करते हैं। इस पर उन्होंने कहा कि हमारे दार्शनिकों ने हमें इस तरह के टकराव में पड़ने से रोका है और यह सिखाया है कि 'सिर्फ 'भगवान' हैं। और कोई नहीं।' उन्होंने एकता के महत्व पर बल देते हुए कहा कि दुनिया में टकराव इसलिए होते हैं क्योंकि एक व्यक्ति खुद को दूसरे से श्रेष्ठ समझता है। उन्होंने कहा, 'हम मानते हैं कि हम सब एक हैं, लेकिन क्या हम सबके साथ एकता का व्यवहार करते हैं? नहीं।' उन्होंने समाज में समानता और सद्भाव बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

नेता निजी अहंकार त्याग बिहार में राजगन की जीत करें सुनिश्चित : नड्डा

पटना (एजेंसी): बिहार विधानसभा चुनाव तैयारियों की संगठनात्मक समीक्षा करने पटना पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने अपनी पार्टी के नेताओं से अपील की कि वे व्यक्तिगत अहंकार को त्याग कर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की जीत को सर्वोपरि रखें। राजकीय अतिथिशाला में नड्डा ने बिहार भाजपा के शीर्ष नेताओं, नीतीश सरकार में भाजपा कोटे के मंत्रियों और प्रदेश पदाधिकारियों के साथ बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों, विधानसभावार सम्मेलन आदि बिंदुओं पर चर्चा की। उन्होंने सामाजिक पकड़ मजबूत बनाने के साथ ही राजग के बूथ स्तर तक के कार्यकताओं के साथ समन्वय बनाने पर बल दिया। बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री बी एल संतोष, प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, उपमुख्यमंत्री द्वय सम्राट चौधरी एवं विजय सिन्हा, पूर्व भाजपा

अध्यक्ष एवं स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, नित्यानंद राय चुनाव समिति एवं कोर ग्रुप के सचिव प्रेम रंजन पटेल तथा अन्य वरिष्ठ नेता सम्मिलित हुए। नड्डा ने विपक्षी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) का नया नामाकरण किया। उन्होंने राजद का मतलब समझते हुए कहा कि रा का मतलब रंगदारी, ज का मतलब जंगलराज और द का मतलब दादागिरी है। उन्होंने कहा कि आज मोदी और नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार के लोग विकास देख रहे हैं। केंदीय मंत्री ने कहा,2005 से पहले बिहार की स्थिति क्या थी और आज क्या है। 2005 से पहले तुष्टिकरण, भ्रष्टाचार और सत्ता समर्थित अपराध की राजनीति थी। आज राजग सरकार के नेतृत्व में बिहार विकास के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के माध्यम आज 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आ गए हैं

पंजाब के 2300 गांवों में सफाई महाअभियान आज से शुरू, सब जगह एक साथ उठेंगे झाड़ू, चलेंगी जेसीबी

नई दिल्ली (एजेंसी): पंजाब में जब बाढ़ का संकट आया, तब मुख्यमंत्री भगवंत मान और उनकी सरकार ने अपनी जिम्मेदारियों को जमीन पर उतरकर पूरी निष्ठा से निभाया। अब जैसे-जैसे पानी उतर रहा है, वैसे-वैसे मान सरकार ने राहत, सफाई और पुनर्निर्माण का महाअभियान शुरू कर दिया है। सरकार की ओर से 14 सितंबर से 23 सितंबर तक पूरे राज्य में सफाई और बहाली का विशेष ड्राइव चलाया जा रहा है, जो 2300 से ज्यादा गांवों और शहरी वार्डों में एक साथ शुरू हुआ है। इस महाअभियान में हर गली, हर मोहल्ले, हर वार्ड को साफ-सुथरा और पहले से बेहतर बनाने का लक्ष्य रखा गया है। जलभराव से जमा हुई गाद, सिल्ट और गंदगी को हटाने के लिए नगर निगमों, नगर परिषदों और पंचायतों को स्पष्ट आदेश दिए गए हैं। कई जिलों में 1000 से ज्यादा सफाई कर्मचारी, 200 से अधिक ट्रैक्टर-ट्रालियां, 150 खउइ मशीनें और सैकड़ों की संख्या में हेल्थ वर्कर्स इस काम में लगातार लगे हुए हैं।सरकार ने सभी ज़िलों में

नोडल अधिकारी नियुक्त किए हैं, जिनकी सीधी निगरानी में काम हो रहा है। हर जोन का ज़िम्मा एक अफसर को सौंपा गया है और उन्हें साफ निर्देश हैं कि वे रोजाना ग्राउंड पर रहें और काम पूरा कराएं। नगर निगमों में कमिश्नर और जिलों में एडीसी को विशेष जिम्मेदारी दी गई है कि कोई भी शिकायत लंबित न रहे। मुख्यमंत्री भगवंत मान खुद इस पूरे अभियान की लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं। वे लगातार अधिकारियों से संपर्क में हैं और खुद स्थिति का जायजा ले रहे हैं। उन्होंने साफ कहा है, ये कोई औपचारिक मुहिम नहीं, ये पंजाब के हर नागरिक के घर-आंगन को फिर से खुशहाल बनाने का संघर्ष है। सिर्फ सफाई ही नहीं, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं पर भी बराबर फोकस है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में दवा छिड़काव, साफ पानी की आपूर्ति और प्राथमिक चिकित्सा शिविर लगाए जा रहे हैं। 5 सितंबर को जारी एडवाइजरी के तहत सभी वछइ२ को साफ-सफाई और रोग रोकथाम के उपाय तुरंत लागू करने के निर्देश हैं। बाढ़ से हुए नुकसान की भरपाई के लिए भी तेजी से सर्वे कार्य शुरू कर दिया गया है। घरों, दुकानों, सड़कों, बिजली के खंभों, जल योजनाओं जैसी सभी सार्वजनिक व निजी संपत्तियों का आकलन इंजीनियरिंग टीमों द्वारा किया जा रहा है, ताकि सरकार हर प्रभावित व्यक्ति को जल्द से जल्द मुआवजा दे सके। पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार ने निर्देश दिए हैं कि सभी कार्यों में पारदर्शिता बनी रहे, इसलिए हर जगह काम से पहले और बाद की तस्वीरें खींची जा रही हैं। यह प्रक्रिया यह सुनिश्चित करेगी कि कोई भी काम अधूरा न रहे और हर जरूरतमंद तक सरकारी मदद पहुंचे। पंजाब के सभी जिलों में आज, 14 सितंबर से मान सरकार का विशेष सफाई और पुनर्वास अभियान जोर-शोर से शुरू हो गया है। सुबह से ही नगर निगमों और स्थानीय प्रशासन की टीमें फील्ड में उतर चुकी हैं।

निर्वाचन आयोग को राहुल गांधी के आरोपों की जांच का आदेश देना चाहिए था: कुरैशी

नई दिल्ली (एजेंसी): पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त एस. वाई. कुरैशी ने वोट चोरी" के आरोपों पर निर्वाचन आयोग की प्रतिक्रिया को लेकर रविवार को उस पर निशाना साधा और कहा कि आयोग को नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के लिए आपत्तिजनक और अपमानजनक" भाषा का इस्तेमाल करने की बजाय उनके आरोपों की जांच का आदेश देना चाहिए था। कुरैशी ने पीटीआई-भाषा' के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि आरोप लगाते समय गांधी की ओर से इस्तेमाल किए गए अधिकांश शब्द, जैसे कि एक हाइड्रोजन बम आदि राजनीतिक बयानबाजी थी। कुरैशी ने इस बात पर जोर दिया कि गांधी ने जो शिकायतें रखीं, उनकी विस्तार से जांच की जानी चाहिए। पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त कुरैशी ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तरीके को लेकर आयोग की आलोचना की और कहा कि यह न केवल "भानुमति का पिटारा खोलना" है, बल्कि निर्वाचन आयोग ने "मधुमक्खी के छत्ते" में हाथ डाल दिया है, जिससे उसे नुकसान होगा। उन्होंने जगरनॉट बुक्स द्वारा प्रकाशित अपनी नयी पुस्तक 'डेमोक्रेसीज हार्टलैंड' के विमोचन से पहले पीटीआई-भाषा' से कहा, "आपको पता है कि मैं जब भी निर्वाचन आयोग की कोई आलोचना सुनता हूं तो मैं न केवल भारत के नागरिक के रूप में बहुत चिंतित और आहत महसूस करता हूं, बल्कि ऐसा

इसलिए भी महसूस करता हूं क्योंकि मैं स्वयं मुख्य निर्वाचन आयुक्त रह चुका हूं और मैंने भी उस संस्था में थोड़ा योगदान दिया है।" साल 2010 से 2012 के बीच मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) रहे कुरैशी ने कहा, "जब मैं देखता हूं कि उस संस्था पर हमला हो रहा है या उसे किसी भी तरह से कमजोर किया जा रहा है, तो मुझे चिंता होती है। निर्वाचन आयोग को भी आत्मनिरीक्षण करना चाहिए और चिंतित होना चाहिए। यह उन पर निर्भर है कि वे उन सभी ताकतों और दबावों का सामना करें जो उनके फैसलों को प्रभावित कर रहे हैं।"

पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त एस. वाई. कुरैशी ने वोट चोरी' के आरोपों पर निर्वाचन आयोग की प्रतिक्रिया को लेकर रविवार को उस पर निशाना साधा और कहा कि आयोग को नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के लिए

उन्होंने कहा, "उन्हें लोगों का विश्वास जीतना होगा - आपको विपक्षी दलों का विश्वास जीतने की जरूरत है। मैंने हमेशा विपक्षी दलों को प्राथमिकता दी है क्योंकि वे कमजोर होते हैं।" कुरैशी ने कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी को विपक्ष की तरह विशेष देखभाल की जरूरत नहीं होती क्योंकि वह सत्ता में होती है जबकि विपक्ष सत्ता में नहीं होता। उन्होंने कहा, "इसलिए (जब मैं मुख्य निर्वाचन आयुक्त था) मेरे स्टाफ को आम तौर पर निर्देश होता था कि यदि वे (विपक्षी दल) मिलने का समय चाहते हैं, तो दरवाजे खुले रखें और उन्हें तुरंत समय दें, उनकी बात सुनें, उनसे बात करें, यदि वे कोई छोटी-मोटी मदद चाहते हैं, तो उनकी करें, बशर्ते कि इससे किसी और को नुकसान न हो।" उन्होंने कहा कि अब विपक्ष को बार-बार उच्चतम न्यायालय जाना पड़ता है और वास्तव में 23 दलों को कहना पड़ा है कि उन्हें मुलाकात का समय नहीं मिल रहा और कोई उनकी बात नहीं सुन रहा। कुरैशी ने कहा कि आयोग को गांधी को शपथपत्र दाखिल करने के लिए कहने के बजाय उनके आरोपों की जांच करवानी चाहिए थी। कुरैशी ने कहा, "राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष हैं, इसलिए निर्वाचन आयोग को उनके लिए उस तरह की भाषा का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए था जैसा उसने किया। मुझे लगता है कि यह वह निर्वाचन आयोग नहीं है, जिसे हम जानते हैं। आखिरकार, वह नेता प्रतिपक्ष हैं, वह कोई आम आदमी नहीं हैं। वह लाखों लोगों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, वह लाखों लोगों की राय व्यक्त कर रहे हैं और उनसे यह कहना कि, 'शपथपत्र दीजिए, वरना हम यह करेंगे, वह करेंगे', उसका (आयोग का) व्यवहार आपत्तिजनक व अपमानजनक, दोनों है।

संपादकीय

राज्यपाल न हों पक्षपाती

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि राज्यपालों को राज्य सरकारों के लिए सच्चे मार्गदर्शक और दार्शनिक के रूप में कार्य करना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश के नेतृत्व में पांच न्यायाधीशों वाली राष्ट्रपति संदर्भ पीठ द्वारा केरल सरकार से सहमति व्यक्त की गई कि दोनों संवैधानिक प्राधिकारियों के बीच कार्य संबंध सहयोगात्मक होने चाहिए। केरल ने अदालत को बताया कि राज्यपाल के समक्ष प्रस्तुत आठ विधेयक सात से तेईस महानों तक लंबित रहे। दस दिन तक दलीलें सुनने के बाद शीर्ष अदालत ने अपना फैसला बहरहाल सुरक्षित रख लिया। केंद्र की तरफ से जवाब में कहा गया कि अनुच्छेद 200 के प्रावधान एक के तहत लौटाए गए विधेयक के साथ राज्यपाल का संदेश पुनर्विचार के दायरे को तय करेगा जिस पर मूल विधेयक संख्या अंकित होगी। आरोप है कि वे बगैर संदेश के इसे अंतहीन तौर पर रोके रहते हैं। बेशक, राज्यपाल को संवैधानिकता की जांच करने का अधिकार है, मगर अधिनियम बन जाने के बाद भी यह न्यायिक समीक्षा के लिए खुला होगा। राज्यपाल अक्सर केंद्र सरकार के इशारे पर काम करते हैं। इन आरोपों-प्रत्यारोपों पर लगाम कसना टेढ़ी खीर है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुमरू द्वारा अनुच्छेद 143 के तहत अदालत से मांगी गई राय के बाद यह बहस तेज हो गई। मुख्य न्यायाधीश ने स्पष्ट कहा कि न्यायिक सक्रियता को न्यायिक आतंकवाद में नहीं बदलना चाहिए। यदि लोकतंत्र का एक पक्ष कर्त्तव्य निर्वहन करने में विफल रहता है तो संविधान का संरक्षक न्यायालय शक्तिहीन होकर निष्क्रिय नहीं रह सकता। कहना गलत नहीं कि राज्यपाल के काम पर शीर्ष अदालत का परमादेश जारी करना उचित नहीं ठहराया जा सकता। मगर विपक्षी दलों की सरकारों की असहमतियों की सुनवाई की अनदेखी भी न्यायोचित नहीं है। राज्यपाल विधानमंडल का अंग है, जिनकी सहमति विधायी प्रक्रिया का हिस्सा है। कानून बनाने में राज्यपालों की सहमति महत्त्वपूर्ण चरण है पर सैद्धांतिक सहमति की आवश्यकता भी कम महत्त्व नहीं रखती। उन परिस्थितियों को लेकर व्यवस्था देनी जरूरी है, जहां स्थिति खतरनाक हो रही हो या मध्य मार्ग स्पष्ट होता न दिख रहा हो। राज्यपालों की भूमिका रोजमर्रा के प्रावधानों में महत्त्व नहीं रखती। उन्हें नियंत्रण के साथ संतुलन बनाने के प्रति निष्पक्ष, चैतन्य और सतर्क दिखना चाहिए।

चिंतन-मनन

जहाँ शांति है वही सुख

यदि हमारे पास दुनिया का पूरा वैभव और सुख-साधन उपलब्ध है परंतु शांति नहीं है तो हम भी आम आदमी की तरह ही हैं। संसार में मनुष्यों द्वारा जितने भी कार्य अथवा उद्यम किए जा रहे हैं सबका एक ही उद्देश्य है शांति। सबसे पहले तो हमें ये जान लेना चाहिए कि शांति क्या है? शांति का केवल अर्थ यह नहीं कि केवल मुख से चुप रहें अपितु मन का चुप रहना ही सच्ची सुख-शांति का आधार है। कहते हैं कि जहाँ शांति है वहाँ सुख है। अर्थात सुख का शांति से गहरा नाता है। लड़ाई, दुख और लालच को भंग करने के लिए शांति सशक्त औजार है। कई लोग कहते हैं कि बिना इसके शांति नहीं हो सकती। इसके साथ ही भौतिक सुख-साधनों तथा अन्य संसाधनों से शांति होगी यह कहना भी गलत है। यदि इससे ही शांति हो जाती तो हम मंदिर आदि के चक्कर नहीं लगाते। धन-दौलत और संपदा से संसाधन खरीदे जा सकते हैं परंतु शांति नहीं। हम यही सोचते रह जाते हैं कि यह कर लूँगा तो शांति मिल जाएगी। आवश्यकताओं को पूरा करते-करते पूरा समय निकल जाता है और न तो शांति मिलती है और न ही खुशी। खुशहाल पारिवारिक जीवन के लिए जरूरी है कि पहले शांति रहे। जहाँ शांति है वहाँ विकास है। जहाँ विकास है वहाँ सुख है। इसलिए अमूल्य शांति के लिए सबसे पहले हमें अपने आप को देखना होगा। अपने बारे में जानना होगा। मैं कौन हूं, कहाँ से आया हूं और हमारे अंदर कौन-कौन सी शक्तियाँ हैं जो हम अपने अंदर ही प्राप्त कर सकते हैं। शांति का सागर परमात्मा है। हम आत्माएँ परमात्मा की संतान हैं। जब हमारे अंदर शांति आएगी तो हमारा विकास होगा। जब विकास होगा तो वहाँ सुख का साम्राज्य होगा। यह प्रक्रिया बिल्कुल सरल और सहज है जिसके जरिए हम यह जान और पहचान सकते हैं। वर्तमान समय अशांति और दुख के भयानक दौर से गुजर रहा है। ऐसे में जरूरत है कि हम अपने धर्म और शाश्वत सत्य को स्वीकारते हुए शांति के सागर परमात्मा से अपने तार जोड़ें। ताकि हमारे भीतर शांति का खजाना मिले। इससे हमारे अंदर शांति तो आएगी ही साथ ही हम दूसरों को भी शांति प्रदान कर सकेंगे।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

देश के विकास में इंजीनियरों की अहम भूमिका है

संजय गोस्वामी

भारत में इंजीनियर्स डे हर साल 15 सितंबर को मनाया जाता है इसे अभियंता दिवस भी कहते हैं. इस दिन देश में जगह-जगह कार्यक्रमों को आयोजन किया जाता है. यह दिन भारत रत्न से सम्मानित महान अभियंता सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती पर समर्पित है. भारत हर साल 15 सितंबर को राष्ट्रीय इंजीनियर्स डे मनाता है. यह दिन भारत रत्न से सम्मानित महान अभियंता सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती पर समर्पित है. उन्होंने सिंचाई, बांध, बुनियादी ढांचे और आर्थिक योजनाओं में अद्भुत योगदान दिया. यही वजह है कि यह दिन भारत के साथ-साथ श्रीलंका और तंजानिया में भी मनाया जाता है. इस दिन देश में जगह-जगह कार्यक्रमों को आयोजन किया जाता हैसर एम विश्वेश्वरैया का जन्मः 15 सितंबर 1861 को कर्नाटक में हुआ था और वह बाढ़ प्रबंधन और सिंचाई तकनीक के विशेषज्ञ माने जाते थे. उन्होंने पुणे के कॉलेज ऑफ साइंस से सिविल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा किया. भारत सरकार ने उन्हें 1955 में भारत रत्न और ब्रिटिश सरकार ने Knighthood Award से सम्मानित किया. उनकी जयंती को 1967 से राष्ट्रीय इंजीनियर्स डे के रूप में मनाना शुरू किया गया.भारत में इंजीनियर्स दिवस की शुरूआत 1968 में हुई थी, जब भारत सरकार ने सर एम. विश्वेश्वरैया के उल्लेखनीय जीवन और उपलब्धियों के स्मरणोत्सव के लिए 15 सितंबर को एक दिन के रूप में घोषित किया था। 15 सितंबर 1861 को कर्नाटक के मुद्देनहल्ली में जन्मे सर विश्वेश्वरैया को भारतीय इंजीनियरिंग के जनक के रूप में दुनिया भर में पहचान मिली। उनके नवाचारों–जैसे पेटेंट प्राप्त स्वचालित फ्लडगेट और कृष्णराज सागर बांध का डिजाइन–ने भारत के बुनियादी ढाँचे और जल प्रबंधन प्रणालियों को बदल दिया। 1912 से 1918 तक मैसूर के दीवान के रूप में कार्य करते हुए, उन्होंने लोक निर्माण, शिक्षा और औद्योगीकरण में योगदान दिया। यह वार्षिक उत्सव न केवल उनकी विरासत का सम्मान करता है, बल्कि देश के विकास में इंजीनियरिंग पेशे के महत्वपूर्ण महत्व को भी उजागर करता है।अपनी प्रारंभिक पढ़ाई चिक्काबल्लापुर में करने के बाद वे बैंगलोर चले गए। 1881 में बैंगलोर से बी.ए. की पढ़ाई पूरी की और इसके बाद पुणे के कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से सिविल इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की। पढ़ाई के बाद वे बॉम्बे प्रेसीडेंसी के पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट (PWD) से जुड़े। मशहूर है ट्रेन का दिलचस्प किस्सा उनके जीवन से जुड़ा एक प्रसंग बेहद मशहूर है। एक बार ट्रेन से सफर के दौरान अंग्रेज यात्री एक भारतीय का मजाक उड़ा रहे थे। तभी उस भारतीय ने अचानक ट्रेन की चेन खींच दी। सभी नाराज हो गए, लेकिन उसने कहा कि पटरियों में गड़बड़ी है। जांच हुई तो सचमुच कुछ दूरी पर पटरी टूटी हुई मिली। यह शख्स और कोई नहीं बल्कि सर एम. विश्वेश्वरैया ही थे। इंजीनियर्स दिवस 2025 का मुख्य विषय राष्ट्रीय इंजीनियरिंग निकायों द्वारा इस दिवस के करीब घोषित किया जाएगा। परंपरागत रूप से, हर साल की थीम इंजीनियरिंग क्षेत्र की वर्तमान चुनौतियों और आकांक्षाओं को संबोधित करती है– उदाहरण के लिए, एक सतत भविष्य के लिए इंजीनियरिंग या एक बेहतर भारत के लिए इंजीनियर। 2025 की थीम इंजीनियरिंग में स्थिरता, डिजिटल नवाचार और युवा नेतृत्व पर केंद्रित होने की उम्मीद है, जो इंजीनियरों और छात्रों को भारत के तकनीकी विकास और सामाजिक परिवर्तन की अगली लहर का नेतृत्व करने के लिए प्रोत्साहित करेगी। सर एम. विश्वेश्वरैया की प्रतिमाओं और स्मारकों पर श्रद्धांजलि समारोह और पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी इंजीनियरिंग कॉलेजों और व्यावसायिक संस्थानों द्वारा आयोजित सेमिनार, व्याख्यान और वेबिनार सर विश्वेश्वरैया के योगदान पर केंद्रित स्कूल और कॉलेज स्तर की निबंध, प्रश्नोत्तरी और पोस्टर प्रतियोगिताएँ से शिक्षा, तकनीकी नवाचार और नैतिक इंजीनियरिंग को बढ़ावा देने वाले सरकारी और गैर-लाभकारी अभियान को बढ़ावा मिलता है . विश्वेश्वरैया इंजीनियरिंग कॉलेज, नागपुर उन्ही के नाम पर एक अच्छा एनआईटी कॉलेज है इंजीनियर्स डे है के दिन डिजिटल पोस्टर शेयरिंग के साथ सोशल मीडिया जागरूकता इंजीनियरिंग की सामाजिक भूमिका पर विचार करते हुए लेख, विशेष फीचर और भाषणों का प्रकाशन प्रेरक उद्धरण और नारे लगाए जाते हैं एम. विश्वेश्वरैया ने कहा था याद रखें, आपका काम सिर्फ.रेलवे क्रॉसिंग की सफाई करना हो सकता है, लेकिन यह आपका कर्तव्य है कि आप इसे इतना साफ रखें कि दुनिया का कोई भी दूसरा क्रॉसिंग आपके क्रॉसिंग जितना साफ न रहे। उन्होंने यह भी कहा कि इंजीनियर राष्ट्र के सपनों के निमार्ता होते हैं। सच्ची सेवा देने के लिए, आपको कुछ ऐसा जोड़ना होगा जिसे पैसे से खरीदा या मापा न जा सके– ईमानदारी और निष्ठा। बड़े सपने देखें। कड़ी मेहनत करें। भविष्य का निर्माण करें। सर एम. विश्वेश्वरैया की विरासत प्रगति और नवाचार का खाका तैयार किया । इंजीनियर्स दिवस हमें याद दिलाता है कि दूरदर्शिता और कर्म से दुनिया बदल सकती है। इंजीनियर्स डे हमें यह याद दिलाता है कि एक इंजीनियर केवल मशीनों और प्रोजेक्ट्स का निमार्ता ही नहीं, बल्कि देश की प्रगति का आधार भी है. आज के समय में चाहे टेक्नोलॉजी, इंफ्रास्ट्रक्चर, पर्यावरण या स्पेस रिसर्च हो, हर क्षेत्र में इंजीनियरों की अहम भूमिका है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

अर्थव्यवस्थाः कपड़ा उद्योग पर सारा दारोमदार

गिरीश पांड़े

भारतीय अर्थव्यवस्था के विशाल ताने-बाने में कपड़ा और परिधान उद्योग का स्थान हमेशा से केंद्रीय रहा है। हाल में जीएसटी काउंसिल द्वारा दी गई टैक्स राहत ने इस क्षेत्र में नई उम्मीदें जगाई हैं। सिंथेटिक धागे, बिना बुने कपड़े, सिलाई धागा और स्टेपल फाइबर पर दर को 12 प्रतिशत से घटा कर 5 प्रतिशत कर दिया गया है। यह कदम अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में जूझ रहे भारतीय निर्यातकों के लिए संजीवनी समान है।

हालांकि अमेरिकी प्रशासन द्वारा 50 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने से भारत के कपड़ा निर्यात पर पहले से ही दबाव है। जुलाई, 2025 के आंकड़े दशार्ते हैं कि भारत के तैयार कपड़ों का सबसे बड़ा गंतव्य अमेरिका ही है। अनुमान है कि अमेरिकी टैरिफ से भारत के निर्यात में लगभग एक-चौथाई की गिरावट आ सकती है। ऐसे में जीएसटी राहत उद्योग को स्थिर बनाए रखने का महत्त्वपूर्ण साधन बनेगी। पैकेजिंग सामग्री पर भी जीएसटी दर को 12 से घटा कर 5 प्रतिशत किया गया है, जिससे संबंधित उद्योगों को भी बल मिलेगा। सरकार ने रेशातटस्थ नीति अपना कर मानव निर्मित रेशे को कपास के बराबर कर दर के दायरे में रखा है। इसका सीधा लाभ यह होगा कि कृत्रिम वस्त्रों का उपयोग बढ़ेगा, मूल्य श्रृंखला में समानता आएगी और भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धा भी मजबूत होगी।

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा परिधान निर्यातक है। कई श्रेणियों में शीर्ष पांच वैश्विक उत्पादकों में शामिल है। वर्तमान में भारतीय कपड़ा और परिधान बाजार 10 प्रतिशत की तेज वार्षिक दर से बढ़ रहा है। अनुमान है कि 2030 तक यह 350 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा। इसी अवधि में निर्यात भी 100 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। आज कपड़ा उद्योग भारतीय जीडीपी में 2.3 प्रतिशत का योगदान देता है। औद्योगिक उत्पादन में इसका हिस्सा 13 और निर्यात में 12 प्रतिशत है। सरकार ने इस दशक के अंत तक कपड़ा उद्योग का योगदान लगभग दोगुना करके 5 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य रखा है। यह लक्ष्य पूरा होता है तो यह क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था को ऊंचाइयों पर ले जाएगा। वस्त्र मंत्रालय समय-समय पर 'भारतटेक्स' जैसे अंतरराष्ट्रीय आयोजन कर भारत के वस्त्र क्षेत्र को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करता रहा है। खादी को लोकप्रिय बनाने के लिए 'खादी फॉर नेशन, खादी फॉर फैशन एंड खादी फॉर ट्रांसफॉर्मेशन' जैसे अभियान चलाए गए हैं। इससे खादी की बिक्री रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच चुकी है। भारत विश्व में कपास, जूट और रेशम का प्रमुख उत्पादक है। लाखों किसान इससे जुड़े हैं। कपास उत्पादन-खपत, दोनों में भारत सबसे बड़ा देश है।

2020 में दूसरे विश्व कपास दिवस पर भारतीय कपास को वैश्विक पहचान देने के लिए 'कस्तूरी कॉटन' ब्रांड लॉन्च किया गया जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय कपास की साख और बढ़ी। राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) का नेटवर्क 19 संस्थानों तक विस्तारित हो चुका है। आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत वोकल फॉर लोकल और लोकल टू ग्लोबल की पहल ने वस्त्र क्षेत्र में नई गति भरी है। खास बात यह है कि चीन के बाद भारत ही एकमात्र देश है, जिसके पास फाइबर से लेकर मैन्युफैक्चरिंग तक संपूर्ण टेक्सटाइल वैल्यू चेन उपलब्ध है। यही क्षमता 'ब्रांड इंडिया' को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने में सहायक सिद्ध हो रही है। पर्यावरण अनुकूल कपड़े केवल फैशन का ही हिस्सा नहीं, बल्कि हमारे अस्तित्व की जरूरत बन चुके हैं। बदलते उपभोक्ता रु झान और विश्व बाजार की अपेक्षाएं भारत के लिए अवसर भी हैं, और चुनौती भी। भारत अपने संसाधनों, कारीगरों और तकनीकी नवाचार का सही उपयोग करे तो वैश्विक फैशन और टेक्सटाइल उद्योग में अग्रणी स्थान प्राप्त कर सकता है।

भारतीय कपड़ा उद्योग रोजगारङ्क निर्यातङ्क परंपरा और तकनीक-सभी का अद्वितीय संगम है। सरकार की सक्रिय नीतियां, कौशल विकास, निवेश योजनाएं और बढ़ती वैश्विक मांग इस उद्योग को निरंतर नई ऊंचाइयों पर ले जा रही हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि आने वाले समय में पारंपरिक बुनाई और आधुनिक तकनीक का यह ताना-बाना भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूती से शिखर तक पहुंचाएगा और इसके साथ ही देश की वैश्विक पहचान को और भी प्रखर बनाएगा।

आधुनिक तकनीक एवं मानवीय करुणा है लोकतंत्र की बुनियाद

संयुक्त राष्ट्र ने 15 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस के रूप में नामित किया है ताकि दुनिया भर में लोकतंत्र और उसके मूल सिद्धांतों का जश्न मनाया जा सके। विश्व समुदाय ने पहली बार 2008 में अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस मनाना नए या पुनर्स्थापित लोकतंत्रों के पहले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की 20वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में स्वीकार किया, जिसने लोगों को दुनिया भर में लोकतंत्र को बढ़ावा देने पर जोर देने का अवसर प्रदान किया। इस दिन का मुख्य उद्देश्य लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की समीक्षा करना, लोकतंत्रीकरण और मानवाधिकारों को बढ़ावा देना और दुनिया भर की सरकारों से नागरिकों के अधिकारों का सम्मान करने और लोकतंत्र में सार्थक एवं सार्थक भागीदारी सुनिश्चित करने का आग्रह करना है। साथ ही, सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा का उद्देश्य 16 सतत विकास लक्ष्यों के साथ लोकतंत्र को संबोधित करना, सूचना तक जनता की पहुँच सुनिश्चित करना, मौलिक स्वतंत्रताओं की रक्षा करना, राष्ट्रीय कानूनों और अंतर्राष्ट्रीय समझौतों का पालन करना और प्रभावी, जवाबदेह, समावेशी संस्थाओं का विकास करना है। यह दिन दुनिया भर में लोकतंत्र को बढ़ावा देने और मजबूत करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है, जिसमें स्वतंत्र प्रेस और मौलिक स्वतंत्रताएं शामिल हैं, जिन्हें सेंसरशिप और शारीरिक हिंसा के बढ़ते खतरों का सामना करना पड़ता है। लोकतंत्र केवल शासन प्रणाली ही नहीं है, बल्कि एक ऐसा ढाँचा है जो मानवाधिकारों की सुरक्षा, कानून के शासन और निर्णय लेने में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करता है। 2024 में, दुनिया की लगभग आधी आबादी वाले 50 से ज्यादा देशों में चुनाव हुए, जिससे वैश्विक स्तर पर समाजों के भविष्य को आकार देने में लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया गया। अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस केवल एक प्रतीकात्मक दिवस भर नहीं है, बल्कि यह अवसर है कि हम यह परखें कि लोकतंत्र अपने आदर्श रूप में कितना जीवंत है और वास्तविक जीवन में कितनी चुनौतियों से जूझ रहा है। इतिहास साक्षी है कि जब-जब लोकतंत्र ने अपनी जड़ों को मजबूत रखा, तब-तब समाज और राष्ट्र ने अभूतपूर्व प्रगति की, लेकिन जब-जब लोकतांत्रिक मूल्यों से खिलवाड़ हुआ, तब-तब अराजकता, अशांति, हिंसा, आतंक और तानाशाही प्रवृत्तियां हावी हो गईं। आज सबसे बड़ी चिंता यह है कि लोकतांत्रिक देशों में ही लोकतांत्रिक मूल्यों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

नेपाल में पिछले दिनों से चल रही अस्थिरता और आंदोलन यह दशार्ती है कि वहां की राजनीतिक नेतृत्व ने जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के बजाय सत्ता संघर्ष को वरीयता दी। बार-बार सरकार बदलना, नीतियों में असंगति, शासनगत भ्रष्टाचार और आमजन की समस्याओं की अनदेखी लोकतंत्र के मूल स्वरूप को ही चोट पहुँचाती है। यही हाल पाकिस्तान का है जहां लोकतांत्रिक ढांचा होते हुए भी सेना और सत्ता की सांठगांठ ने लोकतंत्र को खोखला बना दिया है। वहां अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर पाबंदी और विपक्षी नेताओं पर दमन लोकतांत्रिक आदर्शों का उपहास है। बांग्लादेश में हाल के आंदोलनों ने यह स्पष्ट कर दिया कि सत्ता का केंद्रीकरण लोकतंत्र का गला घोंटता है। वहां आम जनता और छात्रों की आवाज को कुचलने का प्रयास हुआ जिससे असंतोष उभरकर सामने आया। भूटान जैसे छोटे राष्ट्र में भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया अपेक्षित रूप में मजबूत नहीं हो पा रही और सत्ता पर कुछ वर्गों का वर्चस्व देखा जा रहा है। ये उदाहरण बताते हैं कि लोकतंत्र केवल चुनाव कराने या संसद चलाने का नाम नहीं है। लोकतंत्र का अर्थ है नागरिक अधिकारों की रक्षा, समान अवसर, पारदर्शी शासन और जनता के प्रति जवाबदेही। जब नेता जनता से कट जाते हैं, जब संस्थाएं निष्पक्ष न रहकर सत्तापक्ष की कठपुतली बन जाती हैं, जब अभिव्यक्ति पर अंकुश लगाया जाता है, तब लोकतंत्र अपने असली स्वरूप से दूर हो जाता है। यही वजह है कि आज लोकतंत्र विश्वव्यापी संकट से गुजर रहा है।

आज दुनियाभर की शासन-प्रणालियों में घर कर रही समस्याओं के समाधान का रास्ता लोकतांत्रिक मूल्यों की पुनर्स्थापना में है। सबसे पहले राजनीतिक दलों को आंतरिक लोकतंत्र अपनाना होगा, क्योंकि यदि दलों में ही तानाशाही हो तो राष्ट्र में लोकतंत्र कैसे जीवित रहेगा? दूसरा, स्वतंत्र न्यायपालिका, स्वतंत्र मीडिया और मजबूत निर्वाचन प्रणाली लोकतंत्र की रीढ़ हैं, इन्हें किसी भी हालत में कमजोर नहीं होने देना चाहिए। तीसरा, नागरिक समाज और युवाओं को लोकतंत्र की रक्षा के लिए सजग और सक्रिय रहना होगा। महात्मा गांधी ने कहा था, ह्यलोकतंत्र जनता की आज्ञाकारिता नहीं, जनता की जागरूकता पर टिका है।ह्ण निश्चित है कि लोकतंत्र सर्वोत्तम शासन प्रणाली है, परंतु यह तभी प्रभावी हो सकता है जब इसके मूल तत्व- पारदर्शिता, जवाबदेही, समानता और स्वतंत्रता को व्यवहार में उतारा जाए। यदि लोकतंत्र सही ढंग से चले तो इससे उन्नत शासन प्रणाली नहीं हो सकती। लोकतंत्र केवल व्यवस्था नहीं, बल्कि एक सतत साधना है, और उसकी रक्षा का दायित्व शासकों से कहीं अधिक जनता पर है। लोकतंत्र केवल एक शासन-प्रणाली नहीं है, बल्कि यह जीवन-मूल्यों और मानवीय गरिमा का उत्सव है। इसमें शासक और शासित का भेद मिट जाता है और सत्ता का वास्तविक केन्द्र जनता होती है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी आत्मा में निहित है-जनता की सक्रिय भागीदारी और संवाद। जहाँ जनता मौन रहती है और केवल शासकों पर सब कुछ छोड़ देती है, वहाँ लोकतंत्र धीरे-धीरे खोखला हो जाता है और तानाशाही का रूप धारण कर लेता है। लोकतंत्र की सफलता का मूलमंत्र है-उत्तरदायित्व और पारदर्शिता। यदि सत्ता में बैठे लोग अपने को जनता से ऊपर समझने लगें, भ्रष्टाचार और पक्षपात में डूब जाएँ, तो लोकतंत्र के मूल तत्व ही नष्ट हो जाते हैं।

आज की परिस्थितियों में लोकतंत्र को सबसे बड़ी चुनौती है-मूल्यों का ह्रास। केवल बाहरी ढाँचे और प्रक्रियाएँ ही लोकतंत्र को जीवित नहीं रख सकतीं। जब तक नागरिकों में नैतिक चेतना, कर्तव्य-बोध और सामाजिक सरोकार नहीं होंगे, तब तक लोकतंत्र केवल बहुमत की तानाशाही बनकर रह जाएगा। जैसा कि प्रायः कहा गया है-ह्यलोकतंत्र वही है जहाँ जनमत की गरिमा सुरक्षित हो, जनता की आवाज सुनी जाए और शासन जनता के कल्याण के लिए कार्य करे।ह्ण लोकतंत्र का दूसरा पहलू है-विकेन्द्रित शक्ति। यदि सारे निर्णय केवल शीर्ष पर सीमित रहेंगे और गाँव, नगर, पंचायत या स्थानीय निकाय निष्क्रिय रहेंगे तो लोकतंत्र अधूरा रहेगा। असली लोकतंत्र वही है जहाँ निर्णय जनता की जमीनी जरूरतों के अनुसार हों और सत्ता की प्रक्रिया नीचे से ऊपर की ओर बहे। यह संवाद और सहमति का मार्ग है, संघर्ष और हिंसा का नहीं। इसे केवल व्यवस्था मानना भूल है; यह तो एक संस्कार और संस्कृति है, जो सतत आत्मावलोकन, आत्म-सुधार और समावेशिता की माँग करता है।

अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस मनाते हुए इसका सार यही है कि लोकतंत्र को बचाए रखने और उसे प्रभावी बनाने के लिए केवल संविधान और चुनाव काफी नहीं हैं; उसकी आत्मा को जीवित रखना आवश्यक है, जो जन-जागरण, नैतिकता और उत्तरदायित्व से ही संभव है। इस वर्ष लोकतंत्र दिवस मनाते हुए ह्यकृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई और लोकतंत्रह्ण के विषयों पर जोर दिया जा सकता है, जिसके तहत एआई के जिम्मेदार उपयोग से लोकतंत्र के मूल्यों को मजबूत करने की बात कही जाती है। यह दिन सभी के लिए एक सुरक्षित, समावेशी और अधिक जीवंत डिजिटल भविष्य बनाने के लिए लोकतांत्रिक मूल्यों, भागीदारी, और मानवाधिकारों पर सामूहिक रूप से काम करने के महत्व पर भी प्रकाश डालता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक तकनीक के इस युग में लोकतंत्र को जीवंत बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि हम तकनीक को केवल सुविधा का साधन न मानकर पारदर्शिता, संवाद और मानवीय मूल्यों को सशक्त करने का माध्यम बनाएँ। एआई लोकतंत्र को अधिक सहभागी और जवाबदेह बना सकता है-निर्णय लेने की प्रक्रियाओं को डेटा-संपन्न, सटीक और पारदर्शी बनाकर, जनता की आवाज को त्वरित रूप से शासन तक पहुँचाकर। लेकिन यदि तकनीक केवल सत्ता या कॉर्पोरेट के हाथों का खिलौना बन जाए तो यह लोकतंत्र की आत्मा को कुचल सकती है। इसलिए जरूरी है कि तकनीकी नवाचार को मानवीय विवेक और करुणा से जोड़ा जाए। बढ़ती हिंसा, युद्ध और आतंक की स्थितियों का समाधान भी इसी में है कि हम संवाद, सहअस्तित्व और सहयोग को प्राथमिकता दें। लोकतंत्र को केवल राजनीतिक प्रणाली नहीं, बल्कि शांति और मानवीय गरिमा की संस्कृति बनाना होगा, जहाँ तकनीक मानवता की सेवा करे, विभाजन और विनाश का हथियार न बने।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

राष्ट्रीय लोकदल ने चलाया सदस्यता अभियान

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- राष्ट्रीय लोकदल के सदस्यता अभियान के अंतर्गत हसनपुर विधानसभा के ग्राम नूरपुर खुर्द में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित हुए और राष्ट्रीय लोकदल की नीतियों व विचारधारा से जुड़ने का संकल्प लिया। इस मौके पर संबोधित करते हुए चौधरी सरजीत सिंह जी मंडल अध्यक्ष रालोद ने कहा कि आज के समय में राष्ट्रीय लोकदल ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो किसान, युवा, मजदूर और वंचित समाज का सच्चा ख्याल रख रही है। स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जी की नीतियों को आगे बढ़ाते हुए हम गांव-गांव तक संगठन को मजबूत करेंगे।" जिलाध्यक्ष युवा राष्ट्रीय लोकदल इरकान अली ने अपने वक्तव्य में कहा कि युवा ही देश और समाज की सबसे बड़ी ताकत हैं। राष्ट्रीय लोकदल युवाओं को सम्मान और अवसर देने वाली पार्टी है। हम हर युवा को साथ लेकर संगठन को नई ऊँचाइयों पर ले जाएंगे और गरीब व किसान हितों की रक्षा के लिए संघर्षरत रहेंगे।" इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष चौधरी सरजीत चौधरी ने ग्रामवासियों से अपील करते हुए कहा कि आप सभी आगामी जिला पंचायत चुनाव में इरकान अली को भारी बहुमत से विजयी बनाएं। हमारा प्रत्याशी हमेशा आपके सुख-दुख में साथ खड़ा रहेगा। अब समय आ गया है कि हम मिलकर किसान, गरीब और आम जनता की आवाज को बुलंद करें।" कार्यक्रम में मौजूद ग्रामवासियों ने भारी उत्साह के साथ राष्ट्रीय लोकदल को समर्थन देने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर विशाल प्रजापति, शाकिर मलिक, सुनील चौहान, कुलबीर सिंह, अमर राव सिंह, सत्येन्द्र सिंह शिवपाल सिंह जवर सिंह हरपाल सिंह इंद्रपाल सिंह उमेश चौधरी मोहित गुर्जर सुरेश प्रजापति अमर सिंह प्रजापति भुवनेश दत्त शास्त्री देवेन्द्र सिंह विकास सिंह सहित अनेक कार्यकर्ता एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

सम्राट मिहिर भोज के जन्मोत्सव पर निकाली गई विशाल शोभायात्रा

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- सम्राट मिहिर भोज के जन्मोत्सव पर विशाल शोभायात्रा निकाली गई। शोभा यात्रा का शुभारम्भ नुमाइश ग्राउंड से हुआ। यह शोभायात्रा अंबेडकर चौराहा से पुरानी तहसील के रास्ते होते हुए रहरा अड्डे पर पहुंची। जिसके बाद ग्राम शाहपुर कला, हथिया खेड़ा और मंगरौला में स्थित शहीद अजीत सिंह गुर्जर की मूर्ति पर पहुंच कर संपन्न हुई। इस यात्रा में लोगों ने खूब बढ़-चलकर हिस्सा लिया। वहीं इस दौरान यात्रा में शामिल लोगों ने नगर पालिका में स्थित शहीद भगत सिंह स्मारक और अंबेडकर पार्क पर स्थित अंबेडकर मूर्ति पर माल्यापर्ण किया। सुरक्षा व्यवस्था को संभालने के लिए क्षेत्राधिकारी दीप कुमार पंत और कोतवाल प्रेमपाल सिंह के साथ पुलिस बल तैनात रहा। शोभा यात्रा में पिंटू भाटी नेपाल सिंह, मनोज कुमार, विनोद कुमार, ओमकार कटारिया, दिग्विजय सिंह भाटी, महकार सिंह प्रधान, मनोज कटारिया व हजारों की तादाद में लोग मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश बीटीसी शिक्षक संघ के जमशेद शरीफ बने प्रदेश सचिव

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- उत्तर प्रदेश बीटीसी शिक्षक संघ ने अपने एक प्रमुख निर्णय में अमरोहा जिले के जिला अध्यक्ष जमशेद शरीफ को प्रदेश सचिव के पद पर मनोनीत किया है। यह फैसला संघ की प्रांतीय कोर कमेटी की बैठक में लिया गया, जिसमें जमशेद शरीफ के संगठन के प्रति समर्पण, निष्ठा और उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की गई। अमरोहा जिले में बीटीसी शिक्षकों के बीच सक्रिय भूमिका निभाने वाले जमशेद शरीफ ने पिछले कई वर्षों से जिला स्तर पर शिक्षक हितों की रक्षा के लिए अथक प्रयास किए हैं। संघ के प्रदेश अध्यक्ष ने जारी बयान में कहा कि जमशेद शरीफ की नियुक्ति संगठन के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। उनके नेतृत्व में जिला अमरोहा ने कई सफल अभियान चलाए, जिनमें शिक्षकों की समस्या, वेतन वृद्धि और सेवा शर्तों में सुधार जैसे मुद्दे प्रमुख रहे। प्रदेश सचिव के रूप में वे अब पूरे उत्तर प्रदेश स्तर पर संघ की नीतियों को मजबूत बनाने में योगदान देंगे। संगठन ने उम्मीद जताई है कि वे जिला अध्यक्ष और प्रदेश सचिव दोनों पदों का निर्वहन पूर्ण ईमानदारी और निष्ठा से करेंगे। बीटीसी शिक्षक संघ उत्तर प्रदेश का एक प्रमुख संगठन है, जो बेसिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत कार्यरत सहायक शिक्षकों के अधिकारों की रक्षा करता है। वर्तमान में प्रदेश में लाखों बीटीसी शिक्षक इस संघ से जुड़े हैं। जमशेद शरीफ की नियुक्ति से अमरोहा जिले में शिक्षक समुदाय में उत्साह का वातावरण है। स्थानीय शिक्षकों ने इसे एक ऐतिहासिक क्षण बताते हुए कहा कि इससे जिले के मुद्दे प्रदेश स्तर पर बेहतर तरीके से उठाए जा सकेंगे। संघ ने जमशेद शरीफ के उज्जवल भविष्य की मंगल कामना की है। आने वाले दिनों में वे शिक्षकों की समस्याओं के समाधान के लिए नई योजनाओं पर काम करेंगे, जिसमें डिजिटल ट्रेनिंग, पेंशन सुविधाएं और कार्यस्थल सुधार शामिल हैं। यह नियुक्ति न केवल अमरोहा के लिए गौरव का विषय है, बल्कि पूरे प्रदेश के शिक्षक वर्ग के लिए प्रेरणादायक है। संघ के अन्य पदाधिकारियों ने भी इस निर्णय का स्वागत किया और एकजुट होकर संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

मामूली विवाद में फर्जी एसओजी बनकर घर पहुंचे तीन युवक, परिवार को धमकाया

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में चौंकाने वाला मामला सामने आया है जहां पर तीन युवक अपने आपको फर्जी एसओजी टीम बताकर एक घर में घुस गए और परिवार के लोगों को बुरी तरह से धमकाना शुरू कर दिया। इस दौरान वहां मौजूद किसी युवक ने उनका वीडियो बना लिया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। आपको बता दें कि पूरा मामला गजरौला कोतवाली क्षेत्र के गांव मोहरका पट्टी का बताया जा रहा है, जहां पर गांव निवासी दो पक्षों मतलूब और हाशिम के बीच मामूली कहासुनी और गाली गलौज को लेकर विवाद हो गया था। बताया जा रहा है कि 9 सितंबर की रात करीब 11:50 पर हाशिम पक्ष के तीन युवक पुलिस लिखी स्विफ्ट कार से मतलूब के घर पहुंच गए जिन्होंने खुद को एसओजी टीम के सदस्य बताकर उसके परिवार को बुरी तरह धमकाया यहां तक की पिस्टल दिखाकर युवक मतलूब को आधे घंटे में थाने पहुंचने की धमकी दी। इस दौरान एक आरोपी ने वीडियो बना रहे व्यक्ति का मोबाइल छीन लिया। लेकिन इसके बावजूद भी उनका यह धमकी भरा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इस मामले में पीड़ित मतलूब ने बताया कि इस घटना की शिकायत पुलिस को दी गई है लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है उन्होंने आरोप लगाया कि फर्जी एसओजी टीम के सदस्य खनन का काम करते हैं, मतलूब ने हल्के में तैनात एक सिपाही पर मामले को दबाने का भी आरोप लगाया है। उनका कहना है कि सिपाही मुकदमा दर्ज करने की बजाय मामले को निपटाने की बात कर रहा है। घटना का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। वीडियो में आरोपी युवक परिवार को धमकाते और महिलाओं से अभद्रता करते नजर आ रहे हैं।

हिन्दी दिवस पर शानदार काव्य संगौष्ठी एवं साहित्य सम्मान समारोह-2025 का शानदार आयोजन किया गया

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- हिन्दी दिवस पर श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय एवं वी0जी0आई0 मेरठ के संयुक्त तत्वाधान में काव्य संगौष्ठी एवं साहित्य सम्मान समारोह-2025 का शानदार आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि एवं हिन्दी सेवी जुबिलेएन्ट फाउन्डेशन के पेन इण्डिया हेड विवेक प्रकाश, अन्तर्राष्ट्रीय कवयित्री एवं विख्यात साहित्यकार डॉ0 मधु चतुवेर्दी,गोपाल नारसन, राजभाषा सम्मान से पुरुस्कृत वरिष्ठ साहित्यकार डॉ0 यतीन्द्र कटारिया, कवि डॉ0 श्री गोपाल नारसन, वरिष्ठ साहित्यकार एवं शिक्षाविद डॉ0 भूपेश गुप्ता, डॉ0 अंजना व्यास समेत देश भर के एक दर्जन से अधिक विख्यात कवियों एवं हिन्दी सेवियो को शॉल, पटका एवं स्मृति चिन्ह देकर किया सम्मानित। बता दें कि रविवार को राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय/संस्थान एवं वी0जी0आई0 मेरठ के संयुक्त तत्वाधान में हिन्दी दिवस पर शानदार काव्य संगौष्ठी एवं साहित्य सम्मान समारोह-2025 का शानदार आयोजन किया गया, जिसमें देश के विभिन्न हिस्सो से आये कवियो एवं साहित्यकारो ने हिन्दी के सम्मान में एक से एक बढकर शानदार प्रस्तुतिया देकर सभी से हिन्दी को अपने कामकाज, व्यवहार एवं व्यापार की भाषा बनाने की पुरजोर वकालत की। इस अवसर पर समूह अध्यश सुधीर गिरि ने प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी के साथ मिलकर कवियो एंव साहित्यकारो को शॉल एवं स्मृति चिन्ह भैंटकर सम्मानित किया। श्री वेंक्टेश्वरा संस्थान के रविन्द्रनाथ टैगोर सभागार में काव्य संगौष्ठी एवं साहित्य सम्मान समारोह-2025 का शुभारम्भ संस्थापक अध्यश सुधीर गिरि, मुख्य अतिथि डॉ0 विवेक प्रकाश, प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी, अन्तर्राष्ट्रीय कवयित्री डॉ0 मधु चतुवेर्दी, कुलपति प्रो0 कृष्णकान्त दवे, भूपेश गुप्ता, डॉ0 यतीन्द्र कटारिया आदि ने सरस्वती माँ की प्रतिमा के सन्मुख दीप प्रज्जवलित करके किया। कवि सम्मेलन/संगौष्ठी का शुभारम्भ पर काव्य पाठ करते हुए वरिष्ठ/विख्यात कवियत्री डॉ0 मधु चतुवेर्दी ने यूं कहा - उम्र भर हमने ऐसे कसाले जिये, तम निगलते रहे पर उजाले दिये। प्यास में आँसुओ का रसायन मिला, तृप्ति के घट तुम्हारे हवाले किये।। सुनकर सभी को तालिया बजाने पर मजबूर कर दिया। वरिष्ठ हिन्दी सेवी एवं राज्यभाषा पुरस्कार से सम्मानित कवि डॉ0 यतीन्द्र कटारिया ने हिन्दी के लिए कहा कि - सात समुन्द्र पार है हिन्दी, भारत की जयकार है हिन्दी, विश्व पटल पर बढ़ती जाती, भारत का विस्तार है हिन्दी। प्रतिकुलाधिपति एवं वरिष्ठ साहित्यकार डॉ0 राजीव त्यागी ने कहा कि- लोग कहते है कि तू अब भी खफा है मुझसे, पर तेरी आँखो ने तो कुछ और ही कहा है मुझसे। वरिष्ठ साहित्यकार डॉ0 गोपाल नारसन ने कहा कि -शिकवा करने गये थे, इबादत सी हो गयी। तुझे भूलने की जिद थी, पर तेरी आदत सी हो गयी।। सुनकर खूब वाहवाही लूटी। कवि संगौष्ठी को प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी, कुलपति प्रो0 कृष्णकान्त दवे, वरिष्ठ कवि डॉ0 गोपाल नारसन, डॉ0 अंजना व्यास, पीयूष पाण्डेय, आदि ने सम्बोधित किया। इस अवसर पर डॉ0 राजेश सिंह, डॉ0 नीतू पंवार, डॉ0 सुमन कुमारी, डॉ0 अंजलि भारद्वाज, डॉ0 आरती गुप्ता, डॉ0 स्मिता, डॉ0 विकास कुमार, डॉ0 श्रीराम गुप्ता, डॉ0 दर्पण कौशिक, डॉ0 आशुतोष गौतम, डॉ0 एस0एन0 साहू, डॉ0 राजवर्द्धन, डॉ0 ओमप्रकाश, डॉ0 एस0के0 श्रीवास्तव, डॉ0 अश्विन सक्सेना, डॉ0 मोहित शर्मा, डॉ0 ज्योति सिंह, डॉ0 योगेश्वर शर्मा, डॉ0 अनिल जायसवाल, दीक्षा, प्रशान्त, मारूफ चैधरी, अरूण गोस्वामी, एस0एस0 बघेल, मेरठ परिसर से डॉ0 प्रताप सिंह, मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे।

भाकियू शंकर का बस्तौरी माफी में जन जागरण

आज उपजिला अधिकारी कार्यालय धनोरा पर होगा आंदोलन

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- रविवार की दोपहर रजबपुर क्षेत्र के बस्तौरी माफी में डॉक्टर चंद्रपाल सिंह की बैठक पर संगठन का जन जागरण चौधरी समरपाल सिंह की अध्यक्षता व मोनू चौधरी के संचालन में हुआ। जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह ने कहा कि गंगा बाढ़ से बर्बाद फसलों का का आकलन कराकर किसानों को उचित मुआवजा दिया जाए, गंगा में बाढ़ आने से एक तरफ हजारों हेक्टेयर किसानो की फसले बर्बाद हो रही हैं दूसरी तरफ मध्य गंगा नहर फेस टू में पानी न छोड़े जाने से किसानों में भारी रोष है। बहजोई ब्रांच में 6 किलोमीटर प्रति घंटा की स्पीड से पानी छोड़ा जाए तो मुरादाबाद मंडल के 5 लाख किसानों का भला हो जाएगा और बाढ़ ग्रस्त किसानों की फसले बर्बाद होने से बच जाएगी। वर्तमान पेराई सत्र के लिए गन्ना मूल्य में बढ़ोतरी करते हुए सरकार द्वारा गन्ना मूल्य 518 रुपये प्रति क्विंटल घोषित करना चाहिए। गैर-भुगतान वाली चीनी मिलों पर कार्रवाई करते हुए उनका गन्ना क्रय केंद्र काटकर समयअवधि में भुगतान करने वाली चीनी मिलों को दिए जाएं। गजरौला में ट्रामा सेंटर का निर्माण करते हुए तिगरी धाम पर विद्युत शवदाह गृह का निर्माण किया जाए। जिला अध्यक्ष चौधरी नेमपाल सिंह ने कहा कि किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं किया जाता तो आज उप जिला अधिकारी कार्यालय धनोरा का घेराव कर धरना प्रदर्शन कर आंदोलन किया जाएगा। यदि आवश्यक हुआ तो किसान भूख हड़ताल पर भी बैठ सकते हैं,अंत में कार्यकारिणी के प्रदेश प्रवक्ता सत्यवीर सिंह ने अनुज चौधरी को ब्लॉक महामंत्री गजरौला मनोनीत करते हुए कहा कि किसानों का बिजली निजीकरण संगठन बर्दाश्त नहीं करेगा। ग्रामीण क्षेत्रों में नए स्मार्ट मीटर नहीं लगने दिए जाएंगे। इस दौरान वहां पर रामनिवास यादव, ओमपाल सिंह यादव, आदित्य यादव, नरेंद्र सिंह ,आशू यादव ,दीपेंद्र सिंह, प्रिंस चौधरी ,विकास यादव, सोमपाल सिंह ,मंचित यादव, अंकित चौधरी, दयाराम सिंह ,मुकेश यादव, लवली चौधरी, राम आशीष त्यागी, मंजू चौधरी, पूनम चौधरी ,बबीता रानी, अशोक चौधरी ,शेर सिंह राणा, विक्रम पवार ,सतवीर सिंह ,मोजीरामपाल सिंह ,ज्ञान सिंह, राकेश रतनपुर, अहमद हसन ,विक्रम पवार फौजी, सुरेंद्र सिंह ,जविंदर सिंह, रमेश सिंह, डॉक्टर गोपाल सिंह आदि सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गजरौला में हुई 22 वर्षीय सेल्समैन की मौत के मामले में नया मोड़

गजरौला/अमरोहा(सब का सपना):- नगर कोतवाली में बीते दिनों सड़क हादसे में हुई 22 वर्षीय सेल्समैन की मौत के मामले में नया मोड़ सामने आया है मृतक आकाश वर्मा के परिजन शनिवार को कोतवाली पहुंच गए उन्होंने थाना प्रभारी से मिलकर न्याय की गुहार लगाई ।परिजनों का कहना है कि मंगलवार की रात गजरौला थाना क्षेत्र में खाद गुर्जर मार्ग पर हादसा हुआ था, यह घटना गांव शाहबाजपुर माफी के निकट हुई, हादसे में रेत से लदा ट्रैक्टर ट्राली और एक बाइक शामिल थी, मृतक आकाश वर्मा स्वर्गीय रामा वर्मा के इकलौते बेटे थे परिजनों ने मीडिया से बातचीत करते हुए आरोप लगाया है कि पुलिस ट्रैक्टर चालक को बचा रही है पांच दिन बीत गए और इन पांच दिनों के बीत जाने के बाद भी ना तो ट्रैक्टर जप्त किया गया और ना ही दूसरी बाइक के बारे में कोई जानकारी जुटाई गई है ।थाना प्रभारी मनोज कुमार ने कहा है कि वह मामले की जांच कर रहे हैं उन्होंने परिजनों को उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

मखदुमपुर ग्राम पंचायत को शरारती तत्वों द्वारा बदनाम करने की साजिश, महिला प्रधान और सचिव ने आरोप को किया खारिज

मधु

सचिव

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- जनपद के विकास खंड अमरोहा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत मखदुमपुर इन दिनों दोहरी चर्चा का केंद्र बनी हुई है। एक ओर शरारती तत्वों द्वारा सामुदायिक शौचालय को बंद करने का झूठा आरोप लगाकर पंचायत को बदनाम करने का प्रयास किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर ग्राम प्रधान मधु चौधरी और पंचायत सचिव सत्येंद्र सिंह के नेतृत्व में इस ग्राम पंचायत ने आदर्श ग्राम पंचायत के रूप में अपनी पहचान बना ली है। जिले भर में इसकी तारीफ हो रही है, और ग्रामीणों में एक नई ऊर्जा का संचार हो गया है। मखदुमपुर ग्राम पंचायत, जो अमरोहा जिले की सभी ग्राम पंचायतों में से एक है, लंबे समय से ग्रामीण विकास का प्रतीक बनी हुई है। यहां की महिला ग्राम प्रधान मधु चौधरी, जो एक सशक्त नेत्री के रूप में जानी जाती हैं, उन्होंने अपने कार्यकाल में ग्राम पंचायत को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। पंचायत सचिव सत्येंद्र सिंह के सहयोग से उन्होंने स्वच्छता अभियान, जल संरक्षण, महिला सशक्तिकरण और डिजिटल सेवाओं को ग्रामीण स्तर पर लागू किया है। लेकिन हाल ही में कुछ असामाजिक तत्वों ने कृषि समिति केंद्र पर शौचालय बंद होने और साथ ही शौचालय में जलापूर्ति बाधित होने का आरोप लगाया था। इनका दावा था कि सामुदायिक शौचालय बंद हो गया है। यह आरोप न केवल निराधार है, बल्कि पंचायत की छवि को धूमिल करने की साजिश का हिस्सा लगता है। ग्राम प्रधान मधु चौधरी ने इस मामले पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, कि"यह पूरी तरह झूठ और प्रचार मात्र है। हमारा सामुदायिक शौचालय हमेशा की तरह सक्रिय है, और ग्रामीणों को सभी सरकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। कुछ लोग, जो विकास से जलते हैं, ऐसी अफवाहें फैला रहे हैं ताकि हमारा कार्य प्रभावित हो सके। लेकिन हम इससे डरने वाले नहीं है। हमने मखदुमपुर ग्राम पंचायत को और भी बहतर बनाने का संकल्प लिया है, और इसी दिशा में कार्य कर रहे हैं।" मधु चौधरी, जो एक शिक्षित और जागरूक महिला हैं, इनके कड़े प्रयासों से ग्राम पंचायत स्वच्छ भारत मिशन के तहत गांव को खुले में शौच मुक्त घोषित कराया गया है। पंचायत सचिव सत्येंद्र सिंह ने भी इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा, कि "पंचायत सचिवालय बंद होने का कोई सवाल ही पैदा नहीं होता। हम नियमित रूप से बैठकों का आयोजन कर रहे हैं, और ग्राम सभा के माध्यम से विकास योजनाओं का क्रियान्वयन हो रहा है।

इस घटना से साफ है कि ग्रामीण स्तर पर विकास कार्यों से कुछ लोग असहज हो जाते हैं। लेकिन मधु चौधरी और सत्येंद्र सिंह जैसे समर्पित अधिकारी-प्रशासक ऐसी साजिशों को नाकाम करने में सक्षम हैं। मखदुमपुर न केवल अमरोहा का गौरव है, बल्कि पूरे अमरोहा के लिए एक उदाहरण है। ग्रामीण भारत को मजबूत बनाने में ऐसी पंचायतें महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उम्मीद है कि शरारती तत्वों के प्रयास विफल होंगे, और मखदुमपुर की प्रगति जारी रहेगी।

बंदर के हमले में घायल महिला को जेबीएफ ने वृद्धाश्रम भिजवाया

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जुबिलेंट भरतिया फाउंडेशन ने बंदर के हमले में घायल लावारिस वृद्ध महिला को रेस्क्यू कर लठीरा में स्थित वृद्धाश्रम भिजवाया। वहां महिला की समुचित देखरेख एवं उपचार किया जा रहा है। गजरौला में इंदिरा चौक पर घूमकर भिक्षावृत्ति करने वाली लगभग अस्सी वर्षीय मायावती को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के बाहर बंदर ने हमला कर घायल कर दिया था। महिला के कूल्हे में गुम चोट आई थी। उसे दर्द से कराहता देख वहीं दुकान करने वाले मोहम्मद मुन्ना और वकील ने मानवतावश महिला को प्राथमिक उपचार दिलवाया लेकिन उनकी हालत में सुधार नहीं हो रहा था। इसी बीच जानकारी मिलने पर जुबिलेंट इंग्रेविया लिमिटेड में निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित ने जेबीएफ के मेडिकल हेड डा. सुजिंदर फोगाट से संपर्क किया। उन्होंने तत्काल टीम भेजकर महिला की जांच कराई और उन्हें जेबीएफ की एंबुलेंस से लठीरा स्थित शिओस वृद्धाश्रम में भेज दिया। वृद्धाश्रम के प्रबंधक मोहम्मद नावेद ने बताया कि जेबीएफ का समाजसेवा एवं इस आश्रम की देखरेख में बड़ा योगदान रहता है। उन्होंने बताया कि महिला का उपचार आश्रम में ही चल रहा है और अब काफी सुधार भी है।

श्री रामबाग सेवा सदन में श्री भागवत कथा का आयोजन, श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़, झांकी व भजन-कीर्तन ने मोहा मन

चन्दौसी/सम्भल (हनी चन्द्रा) सब का सपनाः- श्री रामबाग सेवा सदन में चल रही भागवत कथा पर नंदोत्सव महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और श्रीकृष्ण जन्म की लीलाओं का साक्षात्कार किया। पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंजता रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद भजन मंडली ने भक्ति गीतों और संकीर्तन से वातावरण को श्रीकृष्णमय कर दिया। बाल कृष्ण की मनोहारी झांकी और सुंदर सजावट ने दर्शकों का मन मोह लिया। श्रीकृष्ण जन्म की झलक जैसे ही मंच पर प्रस्तुत हुई, पूरा पंडाल ह्यनंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की के जयघोष से गूंज उठा। देर संध्या तक श्रद्धालु झांकी और भजनों का आनंद लेते रहे। श्री रामबाग सेवा सदन को रंग-बिरंगी झालरों, फूलों की मालाओं और रोशनी से सजाया गया था, जो दृश्य अत्यंत मनमोहक प्रतीत हो रहा था। कथा वाचक मनीष शर्मा ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस बार भी नंदोत्सव धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में नगर के गणमान्य लोग, समाजसेवी और अनेक भक्तगण उपस्थित रहे। पूज्य गुरुजी ने सभी श्रद्धालुओं का स्वागत करते हुए इस पावन पर्व को प्रेम, भक्ति और आनंद का प्रतीक बताया। इस अवसर पर गुरुजी ने सभी से आग्रह किया कि वे भगवान श्रीकृष्ण के जीवन आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प ले और समाज में प्रेम, करुणा और भाईचारे का संदेश देने का आह्वान किया। कथा में मौजूद प्रमोद कुमार, आमोद कुमार, डॉ मनोज कुमार, पवन कुमार, डॉ योगेश मूर्ती, मयंक, लक्की, गौतम, उत्कर्ष, केशव, यशस्वी, माधव, कृष्णव, आदि ने कथा का श्रवण किया।

अखण्ड भारत परिषद के कार्यकताओं ने मनाया पदाधिकारी सम्मेलन कार्यक्रम

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- तहसील क्षेत्र के ग्राम तरारा में अखण्ड भारत परिषद के कार्यकताओं का सम्मेलन बड़े उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कमल कामुखिया ने संगठन के विस्तार पर जोर दिया ।उन्होंने बताया हमे एक जुट रहकर हिन्दू समाज को संगठित करना है।हमारा संघठन गौ सेवा,हिन्दू संस्कृति,समाजिक चर्चा, गरीबो का सहयोग की भावना से लोगो को जागरूक करना है।कार्यक्रम की अध्यक्षता परमानन्द महाराज ने की।कार्यक्रम का संचालन गौरव कुमार ने किया।इस अवसर पर राकेश कुमार,प्रकाश चन्द्र शर्मा,गंगानन्द गिरी महाराज,मुन्नू सिंह,रामविलास भाटी,नीरज कुमार, ओमपाल शर्मा,महेश कुमार,रूपकिशोर शर्मा,रिंकू शर्मा,निशा वर्मा,संजय ,पुष्पेंद्र सिंह,जितेंद्र सिंह,आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा द्वारा सेवा पखवाड़ा अभियान को लेकर किया गया कार्यशाला का आयोजन

हसनपुर/अमरोहाः भारतीय जनता पार्टी द्वारा 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलने वाले सेवा पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत शनिवार को रुखालू मंडल के कार्यकताओं की एक कार्यशाला बैठक का राजवती विद्या पीठ इंटर कॉलेज बुरावली में आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विधानसभा संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने उपस्थित कार्यकताओं का मार्गदर्शन किया। कार्यकताओं को संबोधित करते हुए शर्मा ने बताया कि आगामी 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के अनुसार बूथ स्तर, मंडल स्तर से लेकर जिला स्तर तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। उनमें रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान, स्वास्थ्य शिविर, प्रदर्शनी, प्रबुद्ध संवाद, पुस्तिका वितरण,25 सितंबर को पंडित दीन दयाल उपाध्याय जयंती,वृक्षारोपण, स्वदेशी मेला द्वारा स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग के लिए प्रेरित करना, दिव्यांग एवं विशिष्ट व्यक्तियों का सम्मान,2 अक्टूबर को लाल बहादुर शास्त्री एवं महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर पुनः स्वच्छता अभियान आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। सभी कार्यकताओं से सभी कार्यक्रमों में बढ़चढकर भाग लेते हुए उन्हें सफल बनाने की अपील की।बैठक में रुखालू मंडल अध्यक्ष हुकम सिंह खड़गवंशी के साथ सभी पदाधिकारी मंडल महामंत्री मंडल उपाध्यक्ष मंडल मंत्री शक्ति केंद्र प्रभारी सेक्टर संयोजक बूथ अध्यक्ष सहित सभी सम्मानित कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

होटल पैराडाइज में किया गया बी.एल वर्मा का हार्दिक स्वागत

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- नगर स्थित होटल पैराडाइज पर बी.एल वर्मा का स्वागत किया गया। बता दें, कि बी. एल वर्मा भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, केंद्रीय राज्य मंत्री का स्वागत कर आशीर्वाद प्राप्त किया। कुंवर पाल सिंह खड़कवंशी जो कि समाज सेवा में हमेशा प्रथम श्रेणी में आते हैं, और लोगो की सेवा में हमेशा जुड़े रहते हैं। हर वर्ग की समाज सेवा के लिए दिल खोलकर हिस्सा लेते हैं। और हमेशा लोगों की भलाई के लिए तैयार रहते हैं। कुंवर पाल सिंह खड़कवंशी अक्सर समाज सेवा के अंतर्गत प्रोग्राम करवाते रहते हैं, और लोगों को इसका लाभ भी मिलता है। कुंवरपाल खड़गवंशी के द्वारा की जाने वाली समाज सेवाएं उनके राजनीतिक कैरियर से पहले से होती आ रही है।

और निरंतर चल रही है, जिससे कि लोगों में उनके प्रति सम्मान आज भी लोगों को दिलों में छाप छोड़े हुए है।

न्यू शाइनिंग स्टार क्लब द्वारा आयोजित नृत्य प्रतियोगिता की तैयारी जोरो पर

चन्दौसी/सम्भल (हनी चन्द्रा) सब का सपनाः- न्यू शाइनिंग स्टार क्लब की एक बैठक ब्रह्म बाजार स्थित क्लब के हेड ऑफिस पर हुई। बैठक के दौरान क्लब के अध्यक्ष हनी चन्द्रा ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी 27 सितंबर 2025 दिन शनिवार को रामबाग धाम के विशाल रंगमंच पर नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता में लगभग 50 बच्चे नृत्य करेंगे जिसमें तीन बच्चे फर्स्ट प्राइज, सेकंड प्राइज, थर्ड प्राइज दिए जाएंगे। बाकी के बचे हुए बच्चों को कॉन्सुलेशन प्राइज दिए जाएगा। सभी बच्चों को प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा। एंट्री फॉर्म ब्रह्म बाजार स्थित चन्द्रा स्टूडियो एवं कचहरी रोड स्थित शिवाय टेलीकॉम पर मिलेंगे। प्रतियोगिता में 12 साल तक के बच्चे ही भाग ले सकेंगे। बैठक के दौरान क्लब अध्यक्ष हनी चन्द्रा, उपाध्यक्ष मुदित गर्ग, महामंत्री आलोक वार्ष्णेय, कोषाध्यक्ष सचिन दयाल, उपमंत्री आर्यन वार्ष्णेय, गिरीश सेलू, अक्षय वार्ष्णेय, अभिनव शर्मा, प्रवीण शर्मा, निखिल वार्ष्णेय, सुभाष चंद्रा आदि मौजूद रहे।

श्री नारायण सेवा समिति के तत्वावधान में हिंदी दिवस पर साहित्यिक प्रतियोगिताओं का आयोजन

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- श्री नारायण सेवा समिति (रजि.), चंदौसी द्वारा हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में हिंदी सेवा सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न विद्यालयों में साहित्यिक प्रतियोगिताओं का भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान श्रुतिलेखन, साहित्य व भाषा ज्ञान, पत्र लेखन, कविता लेखन और देशभक्ति गायन जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। कार्यक्रम का शुभारंभ मंचासीन अतिथियों द्वारा मां शारदे के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन, माल्यार्पण और वंदना के साथ हुआ। समिति के प्रबंधक हरीश कठेरिया एडवोकेट ने समिति की प्रगति पर प्रकाश डाला। डॉ. जयशंकर दुबे के काव्य पाठ ने उपस्थित सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य वक्ता डॉ. राजकुमार गोयल ने कहा, "हिंदी हमारे आत्मगौरव की भाषा है, जो हमें आत्मबोध और भारतीयता की पहचान प्रदान करती है।" संरक्षक व पूर्व प्रधानाचार्य दृगपाल सिंह ने बताया कि शिशु सर्वप्रथम अपनी मां से हिंदी में बोलना सीखता है। अध्यक्ष सुभाष चंद्र वार्ष्णेय भोलेनाथ ने सभी को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं दीं। मुख्य अतिथि डॉ. डी. के. अग्निहोत्री ने कहा, "हिंदी, हिंदू और हिंदुस्तान की संकल्पना में हिंदी भाषा का स्थान सर्वोपरि है।" वरिष्ठ उपाध्यक्ष विपिन कुमार गुप्ता ने भी सभी को बधाई दी। विजेताओं को लेखन सामग्री और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। पुरस्कार वितरण दृगपाल सिंह, सुभाष वार्ष्णेय, डॉ. डी. के. अग्निहोत्री, विपिन गुप्ता, विपिन वार्ष्णेय बालाजी और डॉ. आशीष यादव द्वारा किया गया।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने थाना धनारी एवं थाना रजपुरा पहुंचकर सुनी जन समस्याएं

थाना समाधान दिवस में आयी प्रत्येक जन सामान्य की शिकायतों का किया जाए शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण:- जिलाधिकारी

बहजोई/संभल (सब का सपना):- शासन के मंशानुरूप थाना समाधान दिवस में आये प्रत्येक जन सामान्य की समस्या के त्वरित निस्तारण के लिए जिलाधिकारी डॉ राजेंद्र पैंसिया एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई की अध्यक्षता में थाना समाधान दिवस का आयोजन थाना धनारी एवं थाना रजपुरा में किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि थाना समाधान दिवस में आयी जन सामान्य की शिकायतों को शीघ्र एवं गुणवत्ता पूर्ण किया जाए निस्तारण। थाना समाधान दिवस के अंतर्गत थाना धनारी में 17 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए 04 का निस्तारण एवं थाना रजपुरा में 06 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसमें 02 का शिकायत का निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों का गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण कराने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी गुन्नौर अवधेश कुमार एवं क्षेत्राधिकारी गुन्नौर दीपक तिवारी, थाना धनारी एवं थाना रजपुरा के निरीक्षक सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

हत्या के अभियोग में वांछित मुख्य अभियुक्त गिरफ्तार

थूकने के ऊपर हुए विवाद में सूजे से बार कर, कि थी हत्या

अमरोहा (सब का सपना):- नगर पुलिस द्वारा हत्या के अभियोग में वांछित मुख्य अभियुक्त जाकिर को गिरफ्तार किया गया है, जिसके कब्जे से (आलाकत्ल) लोहे का सूजा बरामद हुआ है। 12 सितंबर को समय करीब रात्रि 09 बजे अभियुक्त जाकिर ,जाहिद , वाहिद ,शाहिद पुत्रगण वली अहमद निवासी मोहल्ला चकली थाना अमरोहा नगर द्वारा मृतक फहीम पुत्र स्व0 महबूब आलम निवासी मोहल्ला चकली थाना अमरोहा नगर की गोली मारकर हत्या कर देने की सूचना थाना अमरोहा नगर पुलिस को प्राप्त हुई थी । सूचना पर मृतक के शव को पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया तथा मृतक के भाई द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर थाना अमरोहा नगर पर मुकदमा पंजीकृत कर जाकिर आदि 04 नफर के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत किया गया। जिसके बाद पोस्टमार्टम रिपोर्ट व अन्य संकलित साक्ष्य से अभियुक्त जाकिर द्वारा मृतक से पूर्व की रंजिश व घटना के दिन दोनो के मध्य थूकने को लेकर हुई कहासुनी के कारण मृतक के सीने पर सूजे से कई वार कर हत्या किये जाने की पुष्टि हुई। पुलिस अधीक्षक द्वारा अभियुक्त की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु अपर पुलिस अधीक्षक अमरोहा के कुशल पर्यवेक्षण एंव क्षेत्राधिकारी नगर के मार्गदर्शन में थाना अमरोहा नगर पर टीम का गठन किया गया ।

रविवार को वांछित मुख्य अभियुक्त जाकिर को सनलैंड पार्क के पास से मय (आलाकत्ल) लोहे के सूजे सहित गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार पुलिस पूछताछ में बताया गया कि अभियुक्त जाकिर व मृतक फहीम के मध्य काफी समय पूर्व से आपसी कहासुनी को लेकर रंजिश थी 12 सितंबर को अभियुक्त मौ0 काजीजादा थाना अमरोहा नगर मेडिकल स्टोर के पास खडा था तथा मृतक वहां से गुजर रहा था तब अभियुक्त द्वारा जमीन पर थूका गया। जिस पर मृतक को लगा कि अभियुक्त ने उसे देखकर थूका है। इसी बात को लेकर दोनो के मध्य कहासुनी हो गयी तथा कुछ देर बाद अभियुक्त द्वारा मृतक फहीम के सीने पर लोहे के सूजे (आला कत्ल) से कई वार कर हत्या के अपराध की घटना कारित की गयी।

श्री वार्ष्णेय यूथ संगठन ने कराई देशभक्ति नृत्य प्रतियोगिता

चन्दौसी/सम्भल (हनी चन्द्रा) सब का सपनाः- मेला गणेश चौथ में श्री भूपाल रंगमंच पर श्री वार्ष्णेय यूथ संगठन ने अमर वीर शहीदों के परिजनों का सम्मान तथा बच्चों द्वारा देशभक्ति नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ राज्य मंत्री पति रामपाल सिंह, पालिकाध्यक्ष लता वार्ष्णेय, भाजपा नेत्री मंजू दिलेर, अंकित जैन एवं सैनिकों के परिवार द्वारा फीता काटकर तथा भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पित करके किया गया। संगठन के अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय अन्नू ने बताया कि कार्यक्रम में देश की खातिर शहीद हुये जवान प्रदीप यादव एवम मोहित राठौर के परिजनों को सम्मानित किया गया तथा समाज के विभिन्न क्षेत्रो में अपनी निस्वार्थ सेवाएं प्रदान कर रहे समाजसेवियों को सम्मानित किया गया। जिनमे समाजसेवी डॉ टीएस पाल, प्रतिभा चौधरी, डॉ वीरेश सिंह, शुभम अग्रवाल, एनके वार्ष्णेय, अंकुर अग्रवाल, शानू वारसी, अनुज गुप्ता, रवि मिश्रा को तिरंगा पटका एवम प्रतीक प्रदान करके सम्मानित किया गया। बच्चों के देशभक्ति नृत्य प्रतियोगिता में एकल एवं समूह दो ग्रुप में डांस कराए गए जिसमें ग्रुप डांस में है। प्रथम स्थान पर गोरा डांस एकेडमी, द्वितीय स्थान पर चंदौसी इंटर कॉलेज, तृतीय स्थान पर लोकेश डांस एकैडमी रही ।एकल डांस में प्रथम स्थान पर अवनिका द्वितीय माहिरा तृतीय स्थान इशिका पर रही। निर्णायक मंडल में डॉ कविता गुप्ता,हेमलता गुप्ता एवम दीपांशी भारद्वाज रहीं। कार्यक्रम का संचालन डॉ दुर्गा टंडन ने किया। इस दौरान कार्यक्रम संयोजक अनुज वार्ष्णेय अन्नू, मयंक वार्ष्णेय चिंकल, मंतेश वार्ष्णेय, लकी वार्ष्णेय, सचिन गुप्ता, बृजेश वार्ष्णेय, रितिक वार्ष्णेय, हनी वार्ष्णेय, अभिषेक गुप्ता, प्रभात कृष्णा, मुकेश वार्ष्णेय, प्रजीत लालू, कौशल वंदेमातरम, सत्येंद्र मामा,हरीश कठेरिया आदि उपस्थित रहे।

समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक संपन्न, 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर जोर

बहजोई/संभल(सब का सपना):- समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक शनिवार को जनपद संभल के इस्लामनगर रोड स्थित मिजार्पुर कम्युनिटी सेंटर, ग्राम मिजार्पुर,में आयोजित हुई। बैठक में जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी, राज्यसभा सांसद जावेद अली खान, संभल सांसद जिया उर रहमान बर्क, बदायूं सांसद आदित्य यादव, विधायक नवाब इकबाल महमूद, पिंकी सिंह यादव, राम खिलाड़ी यादव, मौ. फईम इरफान, पूर्व विधायक राजेश यादव, पूर्व प्रत्याशी विमलेश कुमारी सहित कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक का संचालन जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार ने किया।

जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने कहा कि बैठक में जिले की विधानसभाओं के अध्यक्ष, पदाधिकारी, बूथ अध्यक्ष, सेक्टर

प्रभारी और जोन प्रभारी ने अपने क्षेत्रों की स्थिति पर चर्चा की। मुख्य एजेंडा बूथ स्तर पर बीएलए (बूथ लेवल एजेंट) नियुक्त करने पर केंद्रित रहा। राज्यसभा सांसद जावेद अली खान ने कहा कि बिहार में हाल के घटनाक्रमों से सबक लेते हुए समाजवादी पार्टी को बूथ स्तर पर मजबूती प्रदान करनी होगी। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से बीएलए नियुक्त करने में सक्रियता दिखाने का आग्रह किया ताकि 2027 के विधानसभा चुनाव में पार्टी को मजबूत स्थिति मिले। सांसद जिया उर रहमान बर्क ने कहा कि संभल में समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं के साथ लगातार अन्याय हो रहा है। उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को इसकी जानकारी देने की बात कही। बर्क ने आरोप लगाया कि बीजेपी सरकार संभल में भाईचारे को खत्म करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कार्यकताओं से बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाने की अपील की।

बदायूं सांसद आदित्य यादव ने कहा कि पार्टी की सफलता बूथ स्तर के कार्यकताओं की मेहनत पर निर्भर है। उन्होंने बिहार के हालात का जिक्र करते हुए सभी विधानसभाओं में बीएलए नियुक्त करने और 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू करने का आह्वान किया। विधायक नवाब इकबाल महमूद ने बीजेपी पर हिंदू-मुस्लिम विभाजन की राजनीति करने का आरोप लगाया और कार्यकताओं से एकजुट होकर भाईचारे को मजबूत करने की अपील की। विधायक पिंकी सिंह यादव, राम खिलाड़ी यादव और मौ. फईम इरफान ने भी बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सभी विधानसभा अध्यक्षों को सेक्टर स्तर पर बैठकें आयोजित कर बीएलए नियुक्त करने चाहिए, ताकि 2027 में समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश में सरकार बनाकर अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बना सके। बैठक में विधानसभा अध्यक्ष असमौली ताहिर उल्ला खान, चंदौसी उमेश यादव, गुन्नौर अमित यादव, संभल इरफान प्रधान, जिला उपाध्यक्ष शोभित कुमार काका, नगर अध्यक्ष सद्दाम कुरेशी, प्रदेश सचिव संगीता पाल, जिला अध्यक्ष भावना सक्सैना, जिला उपाध्यक्ष सुनीता यादव, वसीम साहब, सतीश शर्मा, सुभाष बाल्मीकि, रिकु चौहान, मलखान सिंह एडवोकेट, शाहबाज खान, उमेश गुप्ता, संजू यादव, बलवंत सिंह जाटव, लड्डन मियां, गुड्डू वकील साहब, भुरे भाई एडवोकेट, गिरीश यादव सहित सैकड़ों सपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

देवेंद्र वार्ष्णेय बने अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत, मेरठ प्रांत के जिलाध्यक्ष

चन्दौसी/सम्भल (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- ग्राहकों को उसके अधिकारों को दिलाने हेतु बने संगठन अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत मेरठ प्रांत ने ग्राहक आंदोलन को गति प्रदान करने के उद्देश्य से संभल के जिलाध्यक्ष पद पर उपभोक्ता मामलों के जाने माने अधिवक्ता देवेंद्र वार्ष्णेय को मनोनीत किया है मंडी धनौरा जिला अमरोहा में अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के राष्ट्रीय संगठन मंत्री सवनीत दिनकर की उपस्थिति में प्रदेश संगठन मंत्री मेरठ प्रांत नरेंद्र शर्मा ने वरिष्ठ अधिवक्ता देवेंद्र वार्ष्णेय को संभल जिले का जिलाध्यक्ष मनोनीत करने की घोषणा करते हुए कहा कि देवेंद्र वार्ष्णेय पिछले 35 वर्षों से ग्राहक आंदोलन से जुड़े है उनके जिलाध्यक्ष नियुक्त होने से जिले में उपभोक्ता आंदोलन को मूर्त रूप मिलेगा ' ग्राहकों को उनके अनुभवों का लाभ निश्चित रूप से मिलेगा ज्ञात हो कि अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का आनुषंगिक संगठन है अधिवक्ता देवेंद्र वार्ष्णेय जिले के कई सामाजिक संगठन से पूर्व से जुड़े है पूर्व में अधिवक्ता परिषद ब्रज संभल के जिलाध्यक्ष पद रहकर संगठन को विस्तार देने में उनकी आह भूमिका रही है '

सुलह समझौता केंद्र के माध्यम से सुलझाए गए पति पत्नी के विवाद

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद में पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई व अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिण) अनुकृति शर्मा की देखरेख में चलाए गए पुलिस परिवार परामर्श सुलह समझौता केंद्र की एक मीटिंग महिला सेल प्रभारी इंस्पेक्टर रेनू व सेल प्रभारी उप निरीक्षक डॉ रूकम पल सिंह की देखरेख में महिला थाने में संपन्न हुई। जिसमें पति-पत्नी के मध्य जो भी आपसी विवादों का सुलह समझौते के आधार पर निस्तारण करने का प्रयास काउंसलर द्वारा किया गया जहां कुल 108 पत्रावली सुनकर 32 पत्रावलियों का निस्तारण किया गया तथा 15 परिवारो को आपस में मिलाया गया तथा 13 पत्रावलियों को न्यायालय में विचाराधीन होने अथवा आवेदक द्वारा बल न देने के कारण बंद करने की संतुति की गई। एवं 4 पत्रावली में विधिक कार्यवाही करने की संतुति की गई। इस अवसर पर काउंसलर अखिलेश अग्रवाल, श्वेता गुप्ता सीमा आर्य कंचन महेश्वरी तथा कांस्टेबल शहजाद मलिक रश्मि गहलोत ज्योति आदि लोग उपस्थित रहे।

भाजपा ने की सेवा पखवाड़ा के प्रथम चरण के कार्यक्रमों की सफलता को लेकर बैठक

संवाददाता कुशीनगर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री जयंती 2 अक्टूबर तक भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जाने वाले सेवा पखवाड़ा के प्रथम चरण के कार्यक्रमों की सफलता को लेकर विन्दुवार चर्चा की गई और तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। रविवार को रविन्द्र नगर भाजपा कार्यालय में बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने कहा कि सेवा पखवाड़ा के प्रथम चरण में 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर रविन्द्र नगर मेडिकल कॉलेज में जिला स्तरीय स्वास्थ्य व रक्तदान शिविर, सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर स्वास्थ्य शिविर, बूथ स्तर पर स्वच्छता कार्यक्रम

आयोजित किया जाएगा। 18 सितंबर को रविन्द्र नगर सर्किट हाउस के सामने डीपीआरसी में जिला स्तरीय प्रदर्शनी लगाई जाएगी। 19 सितंबर को हनुमान इण्टर कालेज पडरौना में प्रबुद्ध संवाद एवं पुस्तक वितरण कार्यक्रम आयोजित होगा और 20, 21 तथा 22 सितंबर को मण्डल स्तर पर स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर जिला महामंत्री व सेवा पखवाड़ा जिला संयोजक सुदर्शन पाल, जिला उपाध्यक्ष विजय कुमार शुक्ल, डॉ विनोद भारती, जिला मंत्री विवेकानंद शुक्ल, अतुल श्रीवास्तव, डॉ सीमा गुप्ता, जिला मीडिया प्रभारी विश्वरंजन कुमार आनन्द, आई टी विभाग जिला संयोजक नमो नारायण मौर्य, शैलेन्द्र दत्त शुक्ल, युवा मोर्चा जिला संयोजक शैलेन्द्र तिवारी, राधेश्याम गुप्ता, हरि गोविंद रौनियार उपस्थित थे।

नन्हेड़ा अल्यारपुर पीएम श्री विद्यालय में संजीव सिरोही का उत्कृष्ट योगदान: रंगाई पुताई से स्कूल में चार चांद

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार जिले के विकास खंड अमरोहा के अंतर्गत आने वाले नन्हेड़ा अल्यारपुर गाँव में स्थित पीएम श्री विद्यालय ने हाल ही में एक नई ऊँचाई छुई है। इस विद्यालय के इंचार्ज अध्यापक संजीव सिरोही के नेतृत्व में न केवल शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य हो रहा है, बल्कि स्कूल की भव्य रंगाई-पुताई से संस्थान में चार चाँद लग गए है। ग्रामीण क्षेत्र के इस स्कूल को अब एक आधुनिक और आकर्षक रूप मिला है, जो न केवल छात्र छात्राओं को प्रेरित कर रहा है, बल्कि अभिभावकों और स्थानीय समुदाय में भी उत्साह भर रहा है। संजीव सिरोही, जो पिछले 27 दिसंबर 2024 से ही इस विद्यालय के इंचार्ज हैं, ने शिक्षा को एक मिशन के रूप में अपनाया है। उनका मानना है कि ग्रामीण बच्चों की शिक्षा केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उनके समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित होना चाहिए। सिरोही जी ने बताया, "हमारा लक्ष्य है कि बच्चे स्कूल आने को उत्साहित हों। पुरानी और फीकी दीवारें बच्चों के मनोबल को प्रभावित करती हैं। इसलिए स्कूल की बाल वाटिका और आईसीटी लैब और डिजिटल लाइब्रेरी मैं

कलरफुल पेंटिंग के साथ उच्च स्तर की पुताई बच्चों को प्रभावित कर रही है। ग्राम प्रधान के प्रयासों और इंचार्ज अध्यापक संजीव सिरोही के कड़े प्रयासों से स्कूल की दीवारें अब चटख रंगों से सजी हैं। पीएम श्री विद्यालय योजना के तहत यह संस्थान केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना का हिस्सा है। अमरोहा जिले में अमरोहा ब्लॉक के इस स्कूल में लगभग 214 छात्र-छात्राएँ अध्ययनरत हैं, जो ग्रामीण पृष्ठभूमि से हैं। संजीव सिरोही ने न केवल भौतिक सुधार पर ध्यान दिया, बल्कि शैक्षिक गतिविधियों को भी नई दिशा दी है। इसके अलावा स्कूल में, डिजिटल क्लासरूम की शुरूआत की गई है, जहाँ स्मार्ट बोर्ड के माध्यम से इंटरएक्टिव शिक्षण हो रहा है। सिरोही जी ने कहा, "शिक्षा का मतलब केवल पढ़ाना नहीं, बल्कि बच्चे को आत्मविश्वास देना है। हम खेल-कूद, कला और विज्ञान गतिविधियों पर जोर दे रहे हैं। स्थानीय अभिभावकों ने भी संजीव सिरोही की सराहना की है। नन्हेड़ा अल्यारपुर की रहने वाली एक महिला ने बताया, "पहले स्कूल की हालत ऐसी थी कि बच्चे स्कूल में मन नहीं लगाते थे। अब रंग-बिरंगे दीवारें देखकर वे खुद-ब-खुद दौड़ते हुए आ जाते हैं। अमरोहा जिला प्रशासन ने भी इस पहल की प्रशंसा की है। खण्ड शिक्षा अधिकारी श्री सोनू कुमार ने कहा, "संजीव सिरोही जैसे समर्पित शिक्षक ही ग्रामीण शिक्षा की रीढ़ हैं। हम उनके कार्य को अन्य स्कूलों के लिए मॉडल बनाएँगे। पीएम श्री योजना के अंतर्गत ऐसे प्रयासों को प्रोत्साहन दिया जाएगा।" जिले में अमरोहा ब्लॉक के अन्य स्कूलों में भी इसी तरह के सुधार की माँग उठ रही है। नन्हेड़ा अल्यारपुर स्कूल अब एक उदाहरण बन चुका है, जहाँ शिक्षा और सौंदर्य का अनोखा संगम देखने को मिल रहा है। 5 सितंबर 2025 को डीएम महोदय ने विद्यालय की अध्यापिका श्रीमती संध्या सिद्धू को उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया है हर वर्ष छात्रवृत्ति योजना में बच्चे पास हो कर उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं विद्यालय खेल प्रतियोगिताओं मे भी प्रथम स्थान पर रहा है कुल मिलाकर, नन्हेड़ा अल्यारपुर पीएम श्री विद्यालय की यह सफलता अमरोहा जिले के लिए एक प्रेरणा है। संजीव सिरोही का उत्कृष्ट कार्य न केवल शिक्षा को मजबूत कर रहा है, बल्कि ग्रामीण समुदाय को नई उम्मीद दे रहा है। आशा है कि ऐसे प्रयास पूरे जिले में फैलेंगे और उत्तर प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को नई ऊँचाइयों पर ले जाएँगे। यह खबर न केवल स्थानीय स्तर पर चर्चा का विषय बनी हुई है, बल्कि सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रही है।

भाजपा नगर मंडल बहजोई में सेवा पखवाड़ा एवं कार्यशाला का सफल आयोजन

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई हैरिटेज पब्लिक स्कूल में नगर मंडल द्वारा सेवा पखवाड़ा एवं मंडल की कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें पार्टी कार्यकताओं को सेवा कार्यों, आगामी अभियानों एवं संगठनात्मक मजबूती पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष ललित मोहन शर्मा ने की, जबकि संचालन का दायित्व नगर महामंत्री आशीष कुमार ने निभाया। मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मंजू दिलेर एवं क्षेत्रीय मंत्री (पिछड़ा वर्ग) चंद्रसेन राणा ने शिरकत की। साथ ही, मंडल प्रभारी एवं पूर्व चेयरमैन चंदौसी इंदु रानी का भी मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्रीय सहसंयोजक आर्थिक प्रकोष्ठ विकास वार्ष्णेय, पूर्व नगर अध्यक्ष कन्हैया लाल वार्ष्णेय, नगर उपाध्यक्ष एवं अभियान सहसंयोजक शुभम अतुल उपाध्याय, नीरज वार्ष्णेय, प्रेमशंकर कश्यप, डॉ. रश्मि वार्ष्णेय, नगर मंत्री प्रीति कश्यप, लक्ष्मी बाल्मीकि, जितेंद्र बरनवाल, नीरज श्रीवास्तव, डॉ. दिनेश कुमार तथा कोषाध्यक्ष खेलेंद्र वार्ष्णेय सहित अन्य प्रमुख पदाधिकारियों ने भाग लिया। इसके अलावा, बूथ अध्यक्ष प्रमोद कुमार डीसी, सुशील कुमार, सचिन कुमार, गजेंद्र राघव, राहुल शर्मा, सुनील गिहार, सुधीर कुमार, मनीष कुमार, ऐजाज मियां, कौशल वार्ष्णेय, नरेंद्र कुमार ऐन.के, शानू अहमद, गिरीश गिहार, सुमित चौहान, सभासद धर्मपाल डीपी, टिंकू कश्यप, अनुज कुमार, दिवाकर उपाध्याय, धर्मपाल दिलेर, मुकेश कुमार शर्मा, देव शंखधार सहित सैकड़ों कार्यकर्ता कार्यशाला में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सेवा पखवाड़ा के उद्देश्यों, हर घर अभियान एवं पार्टी की संगठनात्मक गतिविधियों पर विस्तृत चर्चा हुई। पदाधिकारियों ने कार्यकताओं को निर्देश दिए कि वे सेवा कार्यों के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचें और पार्टी के सिद्धांतों को मजबूत करें। यह आयोजन भाजपा की जमीनी स्तर पर सक्रियता को दशार्ता है।

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत प्रजापति ब्रह्माकुमारी दीदी ने बच्चों को दिलाई शपथ

बहजोई/संभल(सब का सपना):- थाना क्षेत्र के अंतर्गत स्थित कृष्ण मुरारी मनोरमा अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की प्रजापति ब्रह्माकुमारी दीदी के नेतृत्व में 'नशा मुक्त भारत अभियान' के तहत नशे के खिलाफ युद्ध छेड़ने के लिए स्कूली बच्चों को एक युद्ध नशे के विरुद्ध शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में स्कूल प्रबंधक चिराग वार्ष्णेय,विद्यालय अध्यक्ष नरेश कुमार, प्रधानाचार्य नरेंद्र मोहन सहित सभी अध्यापक, अन्य बंधु-बंधुओं और दीदियों की उपस्थिति रही। प्रजापति ब्रह्माकुमारी दीदी ने बच्चों और उपस्थित भाई-बहनों को संबोधित

करते हुए कहा कि आत्मा हमारे मस्तिष्क में निवास करती है और मन को एकाग्र रखना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने जोर देकर कहा, सभी भाई-बहनों को प्रतिदिन ध्यान करना चाहिए, ताकि मन अशांत न हो और इधर-उधर न भटके। जीवन में एक स्पष्ट लक्ष्य बनाएं, क्योंकि लक्ष्य के बिना जीवन व्यर्थ है। दीदी ने आगे उपदेश दिया कि हमें सभी के साथ अच्छा व्यवहार करना चाहिए, भले ही कोई बदले या न बदले, लेकिन हमें खुद को बदलने की प्रतिज्ञा करनी चाहिए। प्रातःकाल सूर्योदय से पूर्व उठकर ध्यान और पढ़ाई करने की सलाह देते हुए उन्होंने कहा, नशा एक बहुत बुरी चीज है, यह कलंक है। हमें इससे दूर रहना चाहिए। आप सभी प्रतिज्ञा कीजिए कि आप स्वयं को, अपने आसपास, घर-परिवार और विद्यालय को नशे से मुक्त रखेंगे। उन्होंने इंद्रियों पर संयम रखने और ऐसे कर्म करने की प्रेरणा दी, जिनसे कभी पछतावा न हो। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों ने सामूहिक रूप से नशे के विरुद्ध शपथ ली। प्रधानाचार्य नरेंद्र मोहन ने प्रजापति ब्रह्माकुमारी दीदी और सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया तथा बच्चों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी आचार्य-बंधु उपस्थित रहे।

दुकान में आग लगाने और कार की बैटरी चुराने वाला आरोपी पुलिस के शिकंजे में

संभल(सब का सपना):- थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक सनसनीखेज अपराध के आरोपी को मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी अमित सैनी पुत्र सुंदर सैनी निवासी लाड़म सराय कोतवाली सम्भल पर चेतन राम पुत्र ब्रजरतन लाल निवासी मौजा भाले भाज खां सरायतरीन थाना हयातनगर की तहरीरी सूचना पर अभियोग दर्ज किया गया था। पुलिस के अनुसार शिकायत करता ने बताया कि आरोपी ने उनकी दुकान पर आग लगा दी और कार की मूल्यवान एक्साइड बैटरी चुरा ली। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई थी। कोतवाली सम्भल पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत होने के बाद पुलिस ने आरोपी की तलाश तेज कर दी। शनिवार को मुखबिर की सूचना पर आदमपुर रोड पर लकड़ी की टाल के पास से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

गिरफ्तारी में उप निरीक्षक संदीप कुमार, कांस्टेबल रवि यादव और कांस्टेबल दीपक जिंदल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस ने आरोपी से पूछताछ शुरू कर दी है और चोरी की गई एक्साइड बैटरी भी बरामद कर ली है । एसपी सम्भल ने पुलिस टीम को बधाई देते हुए कहा कि अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

कूट रचित दस्तावेज और धोखाधड़ी कर हथियाया गया मकान और जमीन, अमेठी तहसील में बढ़ा भ्रष्टाचार

दुबारा मकान बेचने के लिए बदल दी परिवार रजिस्टर की नकल

अमेठी (सब का सपना)आदित्य बरनवाल:- तहसील में भ्रष्टाचार थमने का नाम नहीं ले रहा है। एक ही जमीन का दो बार बैनामा और धोखाधड़ी करके जमीन हथियाने के दो प्रकरण सामने आए हैं। दोनों मामलों में ए डी एम ने जांच और कार्यवाई के निर्देश दिए हैं। खेरौना गांव तहसील और ब्लाक मुख्यालय से लगा हुआ है।इस राजस्व गांव में जमीनों के क्रय विक्रय को लेकर धोखधड़ी और जालसाजी के मामले अक्सर सामने आते रहते हैं।हाल ही में एक प्रकरण सामने आया है जिसमें परिवार रजिस्टर में जालसाजी करके एक ही मकान को दुबारा बेचा गया है। पीड़ित पक्ष के प्रार्थना पत्र पर ए डी एम ने मामले की जांच कर दुबारा किए गए बैनामे को शून्य करने के निर्देश दिए हैं।मिश्रौली माफी गांव की महिला रामरती ने जालसाजी के लिए परिवार रजिस्टर की नकल का प्रयोग किया है।मिश्रौली माफी के परिवार रजिस्टर में रति देवी पत्नी जमुना प्रसाद दर्ज है। ग्राम पंचायत अधिकारी ने यह नकल तीन सितंबर 2025को जारी की है।खेरौना के पंचायत सचिव पवन कुमार यादव ने 2सितम्बर को परिवार रजिस्टर की नकल जारी की है।यह नकल दो राइटिंग में है।अनारा देवी पत्नी रामस्वरूप और रामरती पुत्री राम स्वरूप का नाम दूसरी कलम से लिखा गया है।स्वयं को मल्टी सर्व इंडिया प्राइवेट लिमिटेड नाम की कम्पनी का निदेशक बताने वाले कृष्ण कुमार ने अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व को दिए गए शिकायती पत्र में रति देवी/रामरती पर जालसाजी के आरोप लगाए हैं कृष्ण कुमार का कहना कि परिवार रजिस्टर में नामों की हेर फेर करके रामरती ने झूठे दस्तावेज के सहारे मकान को अन्य व्यक्तियों के नाम करने की कोशिश कर रही है।मामले को संज्ञान में लेते हुए अपर जिलाधिकारी अर्पित गुप्ता ने एस डी एम आशीष सिंह को तत्परता से जांच व कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।उधर भादर के संसारीपुर गांव में भी दलित के पट्टे की जमीन को धोखाधड़ी करके बेचने का मामला प्रकाश में आया है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से शिकायत की है।भादर ब्लॉक में एक शिक्षक पर ग्राम पंचायत की बेशकीमती सरकारी भूमि का फर्जी एससी परमिशन बनाकर बैनामा कराने का गंभीर आरोप लगा है। मामले की जांच जिला अधिकारी संजय चौहान ने आदेशित कर दी है। जानकारी के अनुसार, भादर ब्लॉक के विशुनदासपुर मजरे संसारिपुर गांव निवासी प्रहलादी पुत्र हिम्मत और गेनादेवी को वर्ष 2014-15 में ग्राम पंचायत की ओर से 0.089 हेक्टेयर कृषि आवंटन मिला था। आरोप है कि कुछ दिन बाद एक स्कूल में कार्यरत शिक्षक ने तत्कालीन जिलाधिकारी अरुण कुमार के नाम से फर्जी एससी परमिशन बनाकर उस भूमि का बैनामा अपने नाम कर लिया।

अमेठी में चल रहा अवैध मिट्टी खनन का खेल

अमेठी (सब का सपना)आदित्य बरनवाल:- जगदीशपुर क्षेत्र में अवैध मिट्टी खनन का धंधा इन दिनों जोरों पर है। मामला तब सामने आया जब कोतवाली क्षेत्र के चौदीपुर निवासी किसान शीतला बक्स सिंह अपने खेत पर पहुंचे। उन्होंने देखा कि पूरी रात खनन माफियाओं ने डंफरों से सैकड़ों चक्कर लगाकर उनके खेत को गहरे गड्ढों में बदल दिया है। खेत की हालत देखकर किसान हैरान रह गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि खनन माफिया रात के अंधेरे में सक्रिय होकर मिट्टी निकालते हैं और प्रशासन को इसकी भनक तक नहीं लगती। इससे किसानों की उपजाऊ जमीन बर्बाद हो रही है, साथ ही पर्यावरण और ग्रामीणों की सुरक्षा पर भी गंभीर खतरा मंडरा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि हल्का सिपाहियों की मिलीभगत से मिट्टी खनन का यह कारोबार फल-फूल रहा है। अब देखना यह है कि प्रशासन कब तक इस अवैध कारोबार पर लगाम लगाने में कामयाब होता है।

पति ने पत्नी को प्रेमी संग विदा किया अमेठी का अजीबो-गरीब मामला

अमेठी (सब का सपना)आदित्य बरनवाल:- जनपद से एक अजीबो-गरीब मामला सामने आया है जहाँ एक पति ने अपनी पत्नी को उसके प्रेमी के साथ विदा कर दिया। मामला सुनकर हर कोई हैरान है। अमेठी के कमरौली थाना क्षेत्र के दीना का पुरवा सिंदूरवा गांव में शिवशंकर प्रजापति नाम के युवक की शादी 2 मार्च 2025 को रानीगंज के उत्तरगांव की उमा प्रजापति नामक युवती से सामाजिक और धार्मिक रीति-रिवाजों के तहत हुई थी। शादी के बाद उमा ससुराल भी पहुंची, लेकिन उसका दिल अपने प्रेमी

विशाल प्रजापति, निवासी मंगौली, में ही अटका रहा। पति को जब पत्नी और प्रेमी के बीच मुलाकात और बातचीत की खबर मिली, तो उसने पहले समझाने की कोशिश की लेकिन जब बात नहीं बनी, तो उसके मन में नीले ड्रम वाली घटनाओं का खौफ बैठ गया। आखिरकार पति शिवशंकर ने एक बड़ा और हैरान करने वाला फैसला लिया। उसने अपनी पत्नी की जिद को देखते हुए, आपसी रजामंदी से औद्योगिक क्षेत्र जगदीशपुर के एक मंदिर में प्रेमी विशाल को ही वरमाला और सिंदूर पहनाने की अनुमति दी और अपनी पत्नी उमा को उसके प्रेमी के साथ विदा कर दिया। "अमेठी का यह मामला इलाके भर में चर्चा का विषय बना हुआ है। लोग कह रहे हैं झ आज तक सुना था पति-पत्नी का रिश्ता जन्मों-जन्मों तक निभता है। लेकिन यहां पति ने अपनी पत्नी को उसके प्रेमी संग विदा कर दिया।

मुंशीगंज पुलिस ने दो वारंटियों को किया गिरफ्तार

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवाल:- जनपद के थाना मुंशीगंज की पुलिस ने रविवार दोपहर 2 बजे दो नफर वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में चालान किया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान रामनेवाज पाल पुत्र गजाधर पाल निवासी रामदैयपुर थाना मुंशीगंज, जनपद अमेठी तथा लल्लन यादव उर्फ कृष्ण कुमार पुत्र माताफेर यादव निवासी ग्राम कटरारानी थाना मुंशीगंज, जनपद अमेठी के रूप में हुई है। इन दोनों अभियुक्तों के विरुद्ध न्यायालय सिविल जज अवर खंड/न्यायिक मजिस्ट्रेट कक्ष संख्या-31, जनपद

सुल्तानपुर से गैर जमानती वारंट (NBW) जारी किया गया था। वारंट वाद संख्या 1126/25 राज्य बनाम कल्पनाथ यादव, अपराध संख्या 0123/2009, धारा 147/ 342/ 323 भारतीय दंड संहिता, थाना मुंशीगंज जनपद अमेठी के अंतर्गत निर्गत हुआ था। थाना मुंशीगंज पुलिस टीम ने सक्रियता दिखाते हुए दोनों आरोपियों को तलाश कर पकड़ लिया और आवश्यक कानूनी कार्यवाही पूरी करते हुए न्यायालय के समक्ष चालान किया। प्रभारी निरीक्षक थाना मुंशीगंज ने बताया कि दोनों के खिलाफ न्यायालय से वारंट था जिसमे हमारी टीम कई दिनों से ढूढ़ रही थी और आज इसको गिरफ्तार कर न्यायालय के सुपुर्द कर दिया गया हैं ऐसे मामले मे पुलिस लगातार फरार वारंटियों व वांछित अपराधियों के खिलाफ अभियान चला रही है, ताकि न्यायालय द्वारा जारी आदेशों का पालन सुनिश्चित हो सके और अपराधियों पर कानून का शिकंजा कसा जा सके।

ट्रक ने बाइक सवार को मारी टक्कर, युवक को 100 मीटर तक घसीटा लखनऊ ट्रॉमा सेंटर रेफर-

अमेठी (सब का सपना)आदित्य बरनवाल:- जनपद के कमरौली थाना क्षेत्र में रविवार को एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि युवक बाइक समेत करीब 100 मीटर तक ट्रक के नीचे घसीटता चला गया। गंभीर रूप से घायल युवक को लखनऊ ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया है। घटना रोड नंबर चार की है। घायल युवक की पहचान सराय आलम नियावा निवासी आलोक शुक्ला (22) के रूप में हुई है। आलोक औद्योगिक क्षेत्र

स्थित एक प्राइवेट फैक्ट्री में कार्यरत है। रविवार को वह ड्यूटी खत्म कर घर लौट रहा था, तभी अचानक पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। आसपास मौजूद लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद आलोक को ट्रक के नीचे से बाहर निकाला। एम्बुलेंस की मदद से उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जगदीशपुर पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे गंभीर हालत देखते हुए लखनऊ ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। कमरौली थानाध्यक्ष ने बताया कि हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। ट्रक को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है और चालक की तलाश की जा रही है।

आम आदमी पार्टी की तिलोई विधानसभा में बैठक संपन्न

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवाल:- जनपद की तिलोई विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पुरे धना मोहना में आम आदमी पार्टी की विधानसभा स्तरीय बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष हरिशंकर जायसवाल ने की, जबकि आयोजन का कार्य विधानसभा अध्यक्ष तिलोई अशोक सेन एडवोकेट के नेतृत्व में किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जिला प्रभारी अतुल सिंह ने संगठन के सभी पदाधिकारियों को अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करने का आह्वान किया। वहीं, जिला सह प्रभारी शिवप्रसाद कश्यप ने कहा कि जनपद की चारों विधानसभाओं—तिलोई, जगदीशपुर, गौरीगंज और अमेठी—में संगठन को

मजबूत करने के लिए सभी ब्लॉकों के अध्यक्षों को नियमित बैठकें आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में खाद की समस्याओं और आगामी विधानसभा स्तरीय बैठकों पर विस्तार से चर्चा की गई। जिला अध्यक्ष हरिशंकर जायसवाल ने पदाधिकारियों से अपील की कि वे ब्लॉक स्तर पर पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुँचाने के लिए सक्रिय रहें। इस अवसर पर छात्र प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव चंद्रजीत यादव, यूथ प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव संतोष यादव, व्यापार प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष सती श्रीवास्तव, महिला प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष पूजा वर्मा, कविता कश्यप, अमेठी नगर अध्यक्ष घनश्याम सोनी, जायस नगर अध्यक्ष संजय सोनकर समेत सैकड़ों कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे।

श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन रुक्मिणी विवाह का उत्सव, श्रद्धालुओं ने निकाली बारात

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- बारहसेनी सेवा सदन, रामबाग धाम, चन्दौसी में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन कथा व्यास पंडित मनीष शर्मा ने भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मिणी के विवाह की मनमोहक कथा सुनाई। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक बारात निकाली और पुष्प वर्षा के साथ श्रीकृष्ण-रुक्मिणी का भव्य स्वागत किया। कथा के दौरान भजन-कीर्तन का आयोजन हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने भक्ति में लीन होकर आध्यात्मिक शांति का अनुभव किया। पंडित मनीष शर्मा जी ने कथा के माध्यम से प्रेम, भक्ति और धर्म की शक्ति का महत्व बताया, जो आज भी भक्तों को भगवान के प्रति अटूट विश्वास और समर्पण की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर मंजु, सीमा, गीता, पूनम, निधिशा, राधा, हिमानी सहित अन्य भक्तों ने रुक्मिणी जी का कन्यादान कर पुण्य अर्जित किया। आयोजकों ने बताया कि कथा का समापन 15 सितंबर को होगा, जिसमें फूलों की होली का विशेष आयोजन होगा। सभी भक्तों को इस आनंदमयी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। श्रीमद्भागवत कथा का यह आयोजन न केवल धार्मिक महत्व रखता है, बल्कि यह सामाजिक एकता और भक्ति भाव को भी मजबूत करता है।

अपर पुलिस अधीक्षक के द्वारा आगामी त्योहारों के मद्देनजर आयोजन समिति के आयोजकों के साथ की गोष्ठी

अमेठी (सब का सपना)आदित्य बरनवाल:- अपर पुलिस अधीक्षक अमेठी शैलेन्द्र कुमार सिंह के द्वारा आगामी त्यौहार दुगार्पूजा एवं दशहरा के दृष्टिगत शांति, सुरक्षा व कानून व्यवस्था बनाये रखने के उद्देश्य से थाना अमेठी व थाना रामगंज पर थानाक्षेत्र के दुगार्पूजा आयोजन समिति के आयोजकों के साथ गोष्ठी कर मूर्तियों की स्थापना, विसर्जन, विसर्जन मार्ग, विद्युत सुरक्षा एवं त्यौहार के दृष्टिगत किये जाने वाले यातायात डायवर्जन आदि विभिन्न विषयों के संबन्ध में अवगत कराते हुये त्यौहार को शान्ति एवं सौहार्दपूर्वक मनाने हेतु अपील की गई व आयोजन समिति से उनके सुझावों व समस्याओं को सुनकर संबन्धित को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया । गोष्ठी में

आपस में प्रेम व सौहार्दपूर्वक त्यौहार मनाने तथा अफवाहों पर ध्यान न देने एवं अफवाहों को फैलने से रोकने आदि के सम्बन्ध में आमजन को जागरूक करने की अपील की गयी । इस दौरान क्षेत्राधिकारी अमेठी मनोज कुमार मिश्रा व अन्य अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहे ।

ससुराल में दामाद की पिटाई, पुलिस पर लापरवाही का आरोप

अमेठी (सब का सपना)आदित्य बरनवाल:- जनपद के तिलोई थाना क्षेत्र के पूरे शिव सिंह मजरे कूरा में रायबरेली जिले के महाराजगंज क्षेत्र निवासी एक युवक के साथ उसके ससुरालवालों ने मारपीट की। पीड़ित के शरीर पर जगह-जगह गंभीर चोटों के निशान हैं। घटना की जानकारी मिलने पर मोहनगंज कोतवाली पुलिस ने मामले में एनसीआर दर्ज की, लेकिन केवल हल्की धाराओं में कार्रवाई की है। पीड़ित युवक का आरोप है कि उसके साथ बर्बरता से मारपीट हुई, लेकिन पुलिस ने घटना को गंभीरता से नहीं लिया। अब वह

डरा-सहमा हुआ न्याय की गुहार लगाते हुए अलग-अलग दफ्तरों के चक्कर काट रहा है। परिजनों का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

इमली गांव में जलाल शाह बाबा के उर्स पर उमड़ा जनसैलाब

अमेठी (सब का सपना)आदित्य बरनवाल:- ज़िले के जगदीशपुर के इमली गांव स्थित खानकाह में हजरत मखदूम सैय्यद अशरफ किछौछवी की दरगाह के सज्जादानशीन सैय्यद जलाल अशरफ रहमतुल्लाह अलैह का उर्स-ए-पाक बड़ी अकीदत और शानों-शौकत के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन उनके नायब व सज्जादानशीन सैय्यद मेराज अशरफ की सरपरस्ती में हुआ। इस मौके पर अमेठी समेत आसपास के जिलों और दूर-दराज से बड़ी संख्या में जायरीन और मुरीदीन पहुंचे। जायरीनों ने दरगाह पर चादर और फूल पेश कर दुआएं मांगी। दिनभर लंगर-ए-आम चलता रहा, वहीं परिवारों और बच्चों ने मेले का आनंद लिया। कव्वाली की महफि ल में इंटरनेशनल कव्वाल चांद कादरी और साकि ब अली साबरी ने अपने कलाम से समां बांधा।

समापन पर अमीर खुसरो का रंग पढ़ा गया और कुल शरीफ की रस्म के बाद जायरीनों में शीरिनी बांटी गई। सज्जादा नशीन सैय्यद मेराज अशरफ ने मुल्क में मोहब्बत, भाईचारा और अमन-ओ-सुकून की दुआ करते हुए कहा अगर मुल्क को बचाना है तो इंसाफ, मोहब्बत और आपसी भाईचारे को मजबूत करना होगा। हर जरूरतमंद की मदद करनी चाहिए, भूखों को खाना खिलाना और माफ करना सीखना चाहिए। यही सूफियों की असल तालीम है। इस मौके पर खानकाह के शहजादे सैय्यद आमिर मियां, सैय्यद आसिफ मियां, सैय्यद अहमद मियां, जिले के कई उलेमा-ए-कराम, मुरीदीन, मोतकेदीन, पुलिस और मीडियाकर्मी मौजूद रहे। राजनीतिक व सामाजिक हस्तियों में वरिष्ठ समाजवादी नेता मो. नईम, पूर्व राज्यमंत्री अब्बास अली जैदी, प्रदेश अध्यक्ष यूथ ब्रिगेड समाजवादी पार्टी अनीस राजा, युवा नेता अलाउद्दीन खां, इमरान सिद्दीकी, कांग्रेसी नेता विजय पासी, समाजवादी युवा नेता मो. मुस्लिम फरहान अनवर, अकमल हुसैन, मो. अशफाक शालू, आरिफ सारस और अल्तमस अमेठी समेत पत्रकार अमीर अशरफ उपस्थित रहे। उर्स का समापन अमन और भाईचारे की दुआओं के साथ किया गया।

कचरे के ढेर में पड़े सुरक्षित हवाई यात्रा के वादे, छोटी सी लापरवाही बन सकती है बड़े हादसे का कारण

नई दिल्ली। वायुयान अधिनियम 1937 की धारा 91 के अनुसार एयरपोर्ट के आसपास ऐसी खुले में कचरा डालना या ऐसी कोई भी गतिविधि जो परिंदों को आकर्षित करती हो, इसपर रोक लगाती है, लेकिन देश के सबसे बड़े एयरपोर्ट आईजीआई के आसपास की जमीनी स्थिति देखें तो हर जगह इसकी अवहेलना होती नजर आती है। जगह जगह कूड़े के ढेर भी हैं, जलभराव वाला इलाका भी है, मछली की दुकानें भी हैं। यह बात इसलिए चिंता बढ़ा देती है, क्योंकि आईजीआई एयरपोर्ट पर पूरे देश के तमाम एयरपोर्ट के वायु क्षेत्र में विमानों से पक्षियों के टकराने की घटनाएं सबसे अधिक होती है। सिर्फ इस वर्ष की बात करें जून तक यह संख्या 40 को पार कर चुका था। एयरपोर्ट से एक से दो किलोमीटर की दूरी पर दिखती है लापरवाही आईजीआई से सटी उपनगरी द्वारका में करीब एक वर्ष पूर्व एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने भारत वंदना पार्क में ऊंचे पीलर के निर्माण पर यह कहते हुए रोक लगा दी थी कि एप्रोच पाथ पर होने के कारण यह रास्ता वायुयानों के आने जाने का मार्ग है। यहां ऊंचे पीलर नहीं बनाए जा सकते हैं। बाद में पिलर की ऊंचाई कम की गई। इसी उपनगरी में भारत वंदना पार्क व एयरपोर्ट की चारदीवारी के बीच कई ऐसे जगह हैं, जो एप्रोच पाथ के अंतर्गत आते हैं, लेकिन वहां कूड़े को खुले में डाला जा रहा है। कुछ वर्ष पहले तक सेक्टर 8 व आसपास के इलाके में कई ऐसे बोर्ड नजर आते थे, जिसपर स्पष्ट लिखा रहता था कि यह स्थान वायुयानों के आनेजाने का मार्ग है। यहां कचरा या मांस- मछली के अवशेष नहीं डालें। ऐसी चीजें परिंदों को आकर्षित करती हैं, जिससे

दिल्ली एयरपोर्ट के पास कचरे के ढेर और जलभराव से पक्षियों का खतरा बढ़ गया है जिससे विमानों से उनके टकराने की आशंका बढ़ गई है। वायुयान अधिनियम 1937 का उल्लंघन हो रहा है क्योंकि एयरपोर्ट के आसपास कचरा प्रबंधन सही नहीं है।

वायुयान के टकराने की आशंका रहती है। अब जगह जगह लगे ऐसे बार्ड या तो हटा दिए गए या फिर इनके उपर एक नई परत चढाक र इस संदेश को मिटा दिया गया है। एक जगह पुराना बोर्ड लगा था, वहां निगम ने कूड़ा घर खोल दिया है। यहां कूड़ा लाकर एकत्र किया जाता है और इसकी छंटाई होती है। आसपास के इलाके में कूड़े का अंबार लगा नजर आता है। कूड़े के ढेर में आग भी लगाया जाता है। सेक्टर आठ में ही मलेरिया अनुसंधान केंद्र के आसपास जगह जगह कचरे के ढेर नजर आते हैं। स्पष्ट है कि कचरे के इन ढेरों के प्रति न तो दिल्ली नगर निगम और न ही आईजीआई एयरपोर्ट की संचालन एजेंसी डायल फिक्रमंद है। कहां कहां है चिंता की बात? एयरपोर्ट के 10 किलोमीटर के दायरे की बात करें तो उपनगरी द्वारका, मटियाला, द्वारका मोड़, डाबड़ी मोड़, इंदिरा मार्केट आरकेपुरम ये ऐसे इलाके हैं जहां कूड़ा प्रबंधन को लेकर स्थिति सही नहीं है। उपनगरी के आसपास मटियाला, गोयला डेयरी ऐसे जगह हैं जहां कूड़ा बीनने वाले कूड़े को एकत्र करने के बाद उसे जरुरत के हिसाब से अलग अलग करते हैं।

दिल्ली में मुकरबा चौक के पास फ्लाईओवर से नीचे रेलवे ट्रैक पर गिरी कार, ड्राइवर घायल

बाहरी दिल्ली। समयपुर बादली थाना क्षेत्र में मुकरबा चौक के पास एक कार बेकाबू होकर फ्लाईओवर से नीचे रेलवे ट्रैक पर जा गिरी। इस घटना में ड्राइवर घायल हो गया है। सूचना पर पहुंची मामले की जांच में जुटी गई है। पुलिस के मुताबिक, घटनास्थल पर पहुंचने पर पता चला कि मारुति हैदरपुर मेट्रो स्टेशन के सामने रिंग रोड के नीचे रेलवे ट्रैक पर पलटी हुई थी। संबंधित वाहन को तुरंत हटाकर ट्रैक साफ कर दिया गया। गाजियाबाद की प्रताप विहार रेलवे कॉलोनी निवासी चालक सचिन चौधरी को कंधे और चेहरे पर मामूली खरोंचें आईं। हादसे में किसी और को चोट नहीं आई है। उन्होंने बताया कि वह पीरागढ़ी से गाजियाबाद आ रहे थे। जब वह रेलवे ट्रैक के ऊपर बने फ्लाईओवर के पास पहुंचे, तो गाड़ी का संतुलन बिगड़ गया और रिंग रोड के किनारे फुटपाथ से टकरा गए। गाड़ी रेलिंग तोड़कर पटरियों के पास घास वाली ढलान पर गिर गई और फिर रेलवे ट्रैक पर उल्टी पड़ गई। चालक का मेडिकल परीक्षण कराया जा रहा है। इसके अलावा, बताया जा रहा है कि नीली पल्सर बाइक कल से ही वहां लावारिस हालत में पड़ी थी। पुलिस को बाइक के संबंध में किसी दुर्घटना की सूचना नहीं दी गई है। मालिक से संपर्क किया जा रहा है और यह पता लगाया जा रहा है कि बाइक चोरी की तो नहीं है। ये दोनों घटनाएं अलग-अलग हैं और एक ही समय पर नहीं हुई हैं।

दिल्ली में कब दुरुस्त होगी 70 वार्डों की सफाई व्यवस्था? निगम ने अभी निकाला है तीन जोन के लिए टेंडर

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के 250 वार्ड में से तीन जोन के 70 वार्ड में सफाई व्यवस्था सुधरने में अभी तीन से चार माह का समय लगेगा। कूड़ा उठाने के लिए नई एजेंसी के चयन के लिए एमसीडी ने टेंडर तो निकाल दिए हैं, लेकिन पूरी प्रक्रिया होने के साथ ही जमीनी स्तर पर काम करने मे वक्त लगेगा। ऐसे में 70 वार्ड के लोगों को फिलहाल जो समस्या आ रही है उससे अभी निजात मिलना मुश्किल नजर आ रहा है। हालांकि निगम ने अतिरिक्त तौर पर कूड़े उठाने के लिए टाटा 407 और अन्य वाहनों को पांच माह के लिए अनुबंधित करने का कार्य शुरू कर दिया है, लेकिन फिलहाल इससे कोई समाधान नहीं होगा क्योंकि जहां वार्ड में सात से आठ टिप्पर आते थे वहां पश्चिमी जोन में अभी तीन से चार ही टिप्पर कूड़ा उठाने पहुंच रहे हैं। इसकी वजह से न तो रिहायशी इलाकों से समय से कूड़ा उठ रहा है और न डलावों और अन्य स्थानों से कूड़ा उठ पा रहा है। उल्लेखनीय है कि करीब दो वर्ष मध्य जोन के 25 वार्ड में कूड़ा उठाने वाली एजेंसी का कायार्देश खत्म हो चुका था तो वहीं ऐसी ही स्थिति दक्षिणी और पश्चिमी जोन में है। तीनों जोन में कुल मिलाकर 70 वार्ड के करीब 30 लाख लोग इस समस्या से परेशान हो रहे हैं। निगम के अनुसार उसने मध्य जोन में 933 करोड़ रुपये की राशि का सात साल के लिए कूड़ा उठाने वाली एजेंसी की नियुक्ति के लिए निविदा आमंत्रित की है। ऐसे ही पश्चिमी जोन में 1123 करोड की निविदा सात साल के लिए आमंत्रित की है। वहीं दक्षिणी जोन में 1180 करोड की राशि से दक्षिणी जोन में कूड़ा उठाने के लिए सात साल के लिए एजेंसी से निविदा आमंत्रित की है। इन निविदाओं को अगले माह के मध्य में खोला जाएगा । ऐसे में कायार्देश जारी करने में पूरा अक्टूबर माह लग सकता है। इसके बाद एजेंसियों को अपने संसाधन जमीनी स्तर पर उतारने में भी दो माह का समय लग जाएगा।

'खून और खेल एक साथ नहीं चल सकते', केजरीवाल बोले- पाकिस्तान के साथ मैच खेलना देश के साथ गद्दारी

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार को दुबई में खेले जाने वाले क्रिकेट मैच को लेकर सियासत गर्म है। विपक्षी दलों के नेता पाकिस्तान के साथ मैच खेलने को लेकर केंद्र सरकार पर हमलावर हैं। ताजा मामले में रविवार को एक बार फिर दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पाक के साथ मैच खेलने को देश के साथ गद्दारी बताया है। अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर आप नेता सौरभ भारद्वाज के पोस्ट को रिट्वीट कर कहा, "पाकिस्तान के साथ मैच खेलना देश के साथ गद्दारी है। हर भारतीय इस बात से बेहद गुस्से में है।" आम आदमी पार्टी ने कहा कि क्रिकेट और आतंकवाद एक साथ क्यों चल रहा है! पीएम मोदी को इसका जवाब देना चाहिए। इसी क्रम में आप सांसद संजय सिंह ने समाचार एजेंसी से बातचीत में कहा, "मोदीजी ने कहा था 'ऑपरेशन सिंदूर' अभी खत्म नहीं हुआ जारी है, तो ऑपरेशन क्रिकेट कैसे जारी है?" वहीं, दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने एक पोस्ट में लिखा, "पहलगाम हमले के बाद मोदीजी ने बड़े गर्व से कहा था ३'' और terror साथ नहीं चल सकते। लगता है देशभक्ति केवल आपके भाषणों तक ही सीमित है। अब तो पूरा देश पूछ रहा है क्या 'ऑपरेशन सिंदूर' की चिताएं इतनी जल्दी ठंडी पड़ गईं कि आतंकवादी देश के साथ क्रिकेट मैच खेला जा रहा है? प्रधानमंत्री जी को इसका जवाब देना चाहिए।" उल्लेखनीय है कि इससे पहले, शनिवार को इसी मुद्दे को लेकर आम आदमी पार्टी के नेताओं ने पार्टी मुख्यालय में पाकिस्तानी क्रिकेटरों का पुतला जलाया था।

'अचानक आय में कमी भरण-पोषण से बचने की साजिश', हाईकोर्ट की अहम टिप्पणी

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने पति द्वारा आय में अचानक गिरावट को लेकर पत्नी और छोटे बच्चे के लिए अंतरिम भरण-पोषण के आदेश को बरकरार रखा है। पारिवारिक अदालत ने पति की आयकर रिटर्न (आइटीआर) को ध्यान में रखते हुए 25 हजार रुपये मासिक अंतरिम भरण-पोषण का आदेश दिया था, जिसे पति ने चुनौती दी थी, लेकिन हाईकोर्ट ने पति की याचिका को खारिज करते हुए पारिवारिक अदालत के निर्णय को सही ठहराया है। न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा की पीठ ने फैसला सुनाते हुए कहा कि पति की आय वर्ष 2018-19 में 10.17 लाख रुपये दर्ज थी, जबकि 2020-21 में मात्र 1.80 लाख रुपये दिखाया गया। कोर्ट ने बिना संतोषजनक स्पष्टीकरण के इस आय में इतनी भारी गिरावट को जानबूझकर भरण-पोषण से बचने के लिए की गई चाल बताया गया। कोर्ट ने कहा कि पति ने अपनी महत्वपूर्ण संपत्तियां अपने माता-पिता के नाम स्थानांतिरत कर दीं, जोकि जांच में संदिग्ध साबित हुई। कोर्ट ने यह भी कहा कि पत्नी एक बीकाम स्नातक हैं और चार्टर्ड अकाउंटेंसी की पढ़ाई कर रही हैं, साथ ही एक पांच वर्ष के बच्चे की देखभाल भी कर रही हैं। ऐसे में उन्हें तुरंत रोजगार प्राप्त करने की उम्मीद करना न्यायसंगत नहीं है। पति का दावा कि उसकी मासिक आय 14 हजार है को भी कोर्ट ने खारिज कर दिया गया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि पहले के आयकर रिटर्न, संपत्ति और जीवनशैली के प्रमाण से पति की वास्तविक आय इससे कहीं अधिक है।

एनसीसी कैडेट्स का हुआ जोरदार स्वागत

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के तहसील क्षेत्र हसनपुर के ग्राम सहेलिया में प्राथमिक शिक्षक मास्टर थान सिंह का परिवार रहता है। उनकी बेटी एनसीसी कैडेट शानू भारती का जोरदार स्वागत हुआ जो कि नेशनल स्तरीय थल सैनिक कैंप 2025 नई दिल्ली से प्रतिभाग कर घर लौटी। जिसने दिल्ली में 33 यूपी बटालियन अमरोहा के सौजन्य से आर्ट डिजाइन के लिए अपना हुनर दिखाया है। बेटी के घर लौटने पर परिवार वालों में बेहद खुशी का माहौल देखने को मिला एवं सर्वसमाज में बहुत ही खुशी का माहौल रहा। इस मौके पर ग्राम वासियों ने एवं अखिल भारतीय अंबेडकर युवक संघ शाखा हसनपुर के पदाधिकारियों ने गुलदस्ता भेंट कर एवं बाबा साहब की तस्वीर देकर सम्मानित किया। इसके घर आएं रिश्तेदारों ने भी उत्साहवर्धन के लिए प्रतीक चिन्ह देकर उत्साहवर्धन किया। ग्राम प्रधान रोहित चौधरी ने भी घर आकर शुभकामनाएं दी । इससे बेटी को बहुत ही आगे बढ़ाने की प्रेरणा मिली। इस मौके पर अखिल भारतीय अंबेडकर युवक संघ के शाखा अध्यक्ष रामवीरसिंह ने कहा कि तरक्की के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने वाले बच्चों को समय समय पर प्रोत्साहित करने से निश्चित रूप से उनका उत्साह वर्धन करेंगे तो बेटियां पीछे नहीं रहेंगी । हम सभी को बेटियों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देना चाहिए ताकि बेटियां भी कामयाबी के क्षेत्र में अग्रणी रहें । इस मौके पर अखिल भारतीय अम्बेडकर युवक संघ हसनपुर के अध्यक्ष रामवीर सिंह, महासचिव विनोद कुमार गौतम, कोषाध्यक्ष करणवीर सिंह, मास्टर थान सिंह,मास्टर संजीव कुमार,चंद्रभान सिंह , ग्राम प्रधान रोहित चौधरी ,नेमपाल सिंह ,अर्जुन सिंह ,अनित कुमार ,प्रीतम सिंह, चौधरी चंद्रपाल सिंह, समरपाल सिंह,रघुवर सिंह आदि मौजूद रहे ।

गाजियाबाद में तालाब और जलाशय पर अतिक्रमण को लेकर एनजीटी सख्त, जिला प्रशासन-यूपी सरकार को नोटिस

नई दिल्ली। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने गाजियाबाद में तालाबों और जलाशयों पर हो रहे अतिक्रमण के मामले में सख्त रुख अपनाया है। ऐसे में अदालत ने उत्तर प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन को नोटिस जारी किया है। एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव और विशेष सदस्य ईश्वर सिंह ने सभी प्रतिवादियों को हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया गया। साथ ही, अधिकारियों को बिना वकील के जवाब देने पर वर्चुअल सुनवाई में उपस्थित होने को कहा गया। अगली सुनवाई 7 अक्तूबर को होगी। याचिकाकर्ता सुशील राघव ने शिकायत की थी कि एनजीटी के 17 मार्च, 2021 के आदेश का पालन नहीं हुआ, जिसमें मुख्य सचिव और जिला प्रशासन को अतिक्रमण हटाने, नियमित बैठकें करने और प्रगति की जानकारी वेबसाइट पर अपलोड करने के निर्देश दिए गए थे। इसके अलावा, लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने को भी कहा गया था। राघव का कहना है कि प्रशासन ने इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए। ऐसे में गाजियाबाद के जिलाधिकारी के अनुसार, जिले के 1075 तालाबों में से 231 पर अभी भी अवैध कब्जा है। 57 हेक्टेयर से अधिक जमीन पर कब्जा गाजियाबाद के जिलाधिकारी की 28 अप्रैल 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, जिले के तालाबों की कुल जमीन 525.18 हेक्टेयर है, जिसमें से 57.04 हेक्टेयर पर अतिक्रमण है। क्षेत्रवार स्थिति इस प्रकार है...तहसील सदरः 217 तालाब, 29 पर कब्जा तहसील मोदीनगरः 579 तालाब, 120 पर कब्जा तहसील लोनीः 139 तालाब, 38 पर कब्जा नगर निगम गाजियाबादः 140 तालाब, 44 पर कब्जा

एसओएल के छात्रों के लिए गुड न्यूज, विद्यार्थियों को मिलेंगी आधुनिक सुविधाएं

पूर्वी दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल) के ताहिरपुर स्थित पूर्वी दिल्ली परिसर का 22 सितंबर को उद्घाटन होगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इसका लोकार्पण करेंगे। इसके सात मंजिला भवन में स्मार्ट क्लासरूम, डिजिटल लाइब्रेरी, कंप्यूटर लैब, मनोविज्ञान प्रयोगशाला और स्किल डेवलपमेंट सेंटर जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। पूर्वी दिल्ली से जुड़े छात्र-छात्राओं को पुस्तक वितरण भी इसी केंद्र से शुरू किया जाएगा। यह परिसर डेढ़ एकड़ में फैला है। सितंबर 2021 में इसका शिलान्यास किया गया था। करीब 45 करोड़ रुपये की लागत से इसका निर्माण किया गया है। कंप्यूर लैब इस परिसर की विशेषता है। उसमें 500 कंप्यूटर लगाए गए हैं। प्रयोग के तौर पर मई में इस परिसर के एकलव्य भवन में परीक्षा का आयोजन किया गया था। उसमें सब कुछ ठीक रहा तो दल्ली विश्वविद्यालय ने उद्घाटन की दिशा में कदम आगे बढ़ाया। सांसद ने किया निरीक्षण सांसद मनोज तिवारी ने शनिवार को इस एसओएल परिसर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बताया कि अब पूर्वी दिल्ली के विद्यार्थियों को नार्थ कैंपस नहीं जाना पड़ेगा। यह संस्थान शिक्षा के साथ कौशल विकास को भी बढ़ावा देगा। उनके साथ रहे एसओएल के संयुक्त निदेशक डा. प्रमोद कुमार तिवारी ने बताया कि एसओएल में 30-40 प्रतिशत विद्यार्थी पूर्वी दिल्ली से नामांकन कराते हैं। अब परीक्षा, स्टडी मटेरियल और अन्य सुविधाएं इसी कैंपस से मिलेंगी, जिससे छात्रों का समय बचेगा।

68 ग्राम प्रहरियों को किए गए टॉर्च, आईडी कार्ड, छाता एवं बैंत वितरित

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- सशक्त प्रहरी झ सुरक्षित गांव" पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में थाना मण्डी धनौरा पर ग्राम प्रहरियों हेतु सामग्री वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी धनौरा अंजली कटारिया एवं उपजिलाधिकारी धनौरा द्वारा कुल 68 ग्राम प्रहरियों को टॉर्च, आईडी कार्ड, छाता एवं बैंत वितरित किए गए। इस मौके पर अधिकारियों द्वारा ग्राम प्रहरियों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली गई एवं कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। साथ ही उन्हें उनके कर्तव्यों और दायित्वों के प्रति जागरूक करते हुए बताया गया कि उनकी सतर्कता और सक्रियता से ग्रामीण क्षेत्रों में अपराध की रोकथाम एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान संभव है। अमरोहा पुलिस का यह प्रयास ग्राम प्रहरियों को सशक्त बनाने और पुलिस-जन सहयोग को और अधिक मजबूत करने की दिशा में एक सराहनीय पहल है। टॉर्च से रात्रिकालीन गश्त सुगम होगी, आईडी कार्ड उनकी पहचान को सशक्त बनाएंगे तथा छाता व बैंत उनकी ड्यूटी को और अधिक प्रभावी बनाएंगे। सभी थानों पर नियुक्त ग्राम प्रहरियों को यह सामाग्री वितरित की जा रही है।

दिल्ली पुलिस के इंस्पेक्टरों के लिए गुड न्यूज, लंबे समय तक रह सकेंगे थाना प्रभारी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के इंस्पेक्टरों के लिए एक राहत की खबर यह है कि अगर वे अपने इलाके में बेहतर कानून व्यवस्था बनाए रखेंगे, उनका ट्रैक रिकार्ड ठीक होगा और पुलिस आयुक्त की उम्मीदों पर खड़ा उतरेंगे तब वे लंबे समय तक थाना प्रभारी के पद पर बने रह सकेंगे। यानी बेहतर काम करने वाले इंस्पेक्टर पहले की तरह विभिन्न थानों के थाना प्रभारी रह पाएंगे। इसके लिए कोई पाबंदी नहीं रहेगी। दिल्ली समेत सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के पुलिस बल में इस तरह की व्यवस्था पहले से है। तीन साल पहले तत्कालीन पुलिस आयुक्त ने दिल्ली में थाना प्रभारियों के कार्यकाल की समय सीमा तीन साल तय कर दी थी। इस फैसले का अच्छा परिणाम आने के बजाय खराब परिणाम सामने आया। कार्यकाल की समय सीमा तय कर देने से पुलिस विभाग में भ्रष्टाचार तेजी से पनपा। थाना प्रभारियों का अपने कर्मियों पर किसी न किसी दबाव के कारण इलाके की कानून व्यवस्था पर ध्यान देने के बजाय उनका ध्यान दूसरे कामों पर अधिक लगा रहा। जिससे कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ गई। सड़कों पर होने वाले छोटे-मोटे अपराध बढ़ गए। नए आयुक्त सतीश गोलचा ने पदभार ग्रहण करते ही इस फैसले को तुरंत बदलने का निर्णय लिया था। सभी आला अधिकारियों से सलाह मशविरा के बाद इसे बदल दिया गया। पुलिस अधिकारी का कहना है कि दिल्ली में थाना प्रभारियों के सामने अपने इलाके की कानून व्यवस्था को बनाए रखने की बड़ी चुनौती रहती है। अनुभवी थाना प्रभारियों को थानों के संचालन में अधिक समस्या नहीं आती है, लेकिन नए प्रभारियों को कुछ समय तक दिक्कत आती है। खाली पड़े हैं 14 थाने पुलिस अधिकारी का कहना है कि दो से तीन साल का समय थाना प्रभारियों को काम सीखने में लग जाता है

झगड़े में बीच-बचाव करने आए युवक की चाकू घोंपकर हत्या, 6 नाबालिग बदमाश गिरफ्तार

बाहरी दिल्ली। मंगोलपुरी में किराने की दुकान पर कल रात झगड़े के बाद हुई चाकूबाजी व मारपीट में दुकानदार समेत तीन लोग घायल हो गए। बाद में इलाज के दौरान घायलों में से एक युवक की मौत हो गई। बताया जाता है कि मृतक युवक दुकान पर कुछ सामान लेने आया था और झगड़े में बीच-बचाव के दौरान हमलावरों ने उस पर चाकू से हमला कर दिया। इस घटना में दुकानदार व उसका दोस्त भी घायल हो गए, जहां मरहम-पट्टी के बाद उन्हें छुट्टी मिल गई। पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए शनिवार को हत्या के आरोप में छह नाबालिग को पकड़ लिया है। बाहरी जिला पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कल रात मंगोलपुरी थाना पुलिस को जे-ब्लाक में चाकूबाजी की घटना के संबंध में पीसीआर कॉल प्राप्त हुई। इसके बाद पुलिस संजय गांधी अस्पताल पहुंची, जहां पता चला कि मंगोलपुरी निवासी 32 वर्षीय अरुण नामक व्यक्ति के पैर में चाकू से गंभीर चोट लगी है। उसे सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। अरुण मंगोलपुरी में किराए पर रहता था। शिकायतकर्ता ने बताया कि वह मंगोलपुरी में एक किराना दुकान चलाता है, जहां घटना के समय अरुण भी मौजूद था। इसी दौरान उसका परिचित पंकज दुकान पर आया, तभी 5-6 लड़कों ने पंकज से झगड़ा किया। जब शिकायतकर्ता और अरुण ने बीच-बचाव किया तो लड़कों ने उन पर हमला कर दिया। इस दौरान एक नाबालिग ने पीड़ित के पैर में चाकू घोंप दिया। सूचना मिलने के बाद आलाधिकारियों सहित पुलिस टीम मौके पर पहुंची और क्राइम टीम को भी मौके पर बुलाया गया। जिसने मौके से सबूतों को इकठ्ठा किए। सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई चाकूबाजी की घटना चाकूबाजी की यह घटना पास में ही लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। फुटेज में हाथों में चाकू लेकर कुछ लड़के हमला करते दिखाई दे रहे हैं। बाद में दुकानदार सचिन ने बताया कि पंकज के साथ हुए झगड़े में वे और अरुण बीच-बचाव करने गए थे। हमले में तीनों को चोट लगीं। मुझे और पंकज को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी मिल गई। अरुण को सरफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां उसकी मौत हो गई। मृतक की पत्नी पूनम ने बताया कि उनके पति अरुण दूध लेने के दुकान पर गए थे और इसी दौरान कुछ लोगों ने अरुण व दुकानदार पर हमला बोल दिया।

दिल्ली के मंगोलपुरी में एक किराने की दुकान पर झगड़े में बीच-बचाव करने गए एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने छह नाबालिग आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मृतक अरुण दूध लेने गया था और बीच-बचाव करने के दौरान उस पर हमला किया गया। दुकानदार और उसका दोस्त भी घायल हुए।

करण जौहर ने टॉक्सिक लोगों के नुकसान और सफलता के सीक्रेट पर की बात

फिल्मकार करण जौहर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। वे यहां पर अपनी फिल्म और लाइफ से जुड़ी अपडेट्स साझा करते रहते हैं। आज उन्होंने एक क्रिप्टिक पोस्ट इंस्टाग्राम पर साझा किया है। इसमें उन्होंने टॉक्सिक लोगों के नुकसान और सफलता के सीक्रेट फैंस के साथ साझा किए हैं। करण जौहर ने इस पोस्ट में कई स्लाइड्स शेयर की हैं। इनमें उन्होंने अपने विचार फैंस के साथ साझा किए हैं। इन्हें शेयर करते हुए करण जौहर ने लिखा, विचार जिनसे मैं सहमत हूं।

पहली स्लाइड में उन्होंने लिखा, नियम 1ः वे जो सोचते हैं, उससे कोई लेना-देना नहीं। दूसरी स्लाइड पर लिखा था, कभी-कभी आपकी कीमत तब तक नहीं दिखती जब तक आपकी अनुपस्थिति का एहसास न हो। तीसरी स्लाइड पर लिखा है, एक रिमाइंडरः टॉक्सिक लोगों को नजरअंदाज करना खुद की देखभाल करना है। अन्य स्लाइड्स में लिखा था, अगर आप छोटी-छोटी बातों से विचलित हो जाते हैं, तो आप बड़े काम नहीं कर सकते। सीखने लायक बनें। आप हमेशा सही नहीं होते। ऐसे लोगों को चुनें जो आपको चुनते हैं। कुछ लोग ऐसे होते हैं जो आपका साथ कभी नहीं देंगे क्योंकि वो आप हैं। फिर कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो हमेशा आपका साथ देंगे क्योंकि वो आप हैं। आपको बस अपने लोगों को ढूंढना है। फिल्मों की बात करें तो करण जौहर की फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी बहुत जल्द रिलीज होने वाली है। इसे शशांक खेतान ने लिखा और डायरेक्ट किया है। धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले इसे बनाया गया है।

इस रोमांटिक कॉमेडी में वरुण धवन, जान्हवी कपूर, सान्या मल्होत्रा, रोहित सराफ, मनीष पॉल, और अक्षय ओबेरॉय जैसे कलाकार हैं। यह दुल्हनिया फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म है। यह फिल्म 2 अक्टूबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके अलावा उनका प्रोडक्शन हाउस फिल्म 'मिराय' को हिंदी में रिलीज कर रहा है। इसमें दक्षिण भारतीय फिल्मों के अभिनेता तेजा सज्जा लीड रोल निभाते दिखाई देंगे। इसके लिए करण जौहर ने तेजा का खास इंटरव्यू लिया था, जिसे उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया था। इसमें करण जौहर ने बताया था कि इतने कम बजट में इतनी शानदार फिल्म बनाना उनकी कल्पना के परे था।

सई मांजरेकर ने बताया साउथ सिनेमा और बॉलीवुड में अंतर

फिल्म इंडस्ट्री में बॉलीवुड और साउथ इंडियन सिनेमा की अक्सर तुलना की जाती रहती है। इस पर अब अभिनेत्री सई मांजरेकर ने भी बात की है। वो दोनों ही इंडस्ट्री में काम कर चुकी हैं। उन्होंने बताया है कि दोनों फिल्म इंडस्ट्री में क्या अंतर है। सई मांजरेकर ने इस बारे में बात करते हुए कहा, मेरा मानना है कि सिनेमा की कोई भाषा नहीं होती, कहानी और लोगों से जुड़ने का तरीका ही मायने रखता है। फिलहाल मैं बॉलीवुड और दक्षिण भारतीय सिनेमा में अपने काम पर ध्यान केंद्रित कर रही हूं, लेकिन मैं किसी समय एक अच्छी मराठी फिल्म भी जरूर करना चाहूंगी। जब तक पटकथा मुझे उत्साहित करती है और निर्देशक का दृष्टिकोण मजबूत है, मैं अलग-अलग फिल्म इंडस्ट्री में काम करने के लिए तैयार हूं। बॉलीवुड और दक्षिण भारतीय सिनेमा की तुलना पर सई ने कहा, दोनों में काम करने का मौका मिलने के बाद मुझे लगता है कि हर इंडस्ट्री की अपनी एक अलग कार्यशैली और जादू होता है। बॉलीवुड असाधारण भावनाओं और कहानियों को पेश करने के तरीके का जश्न मनाता है, जबकि साउथ में मैंने अनुशासन की एक अद्भुत भावना और कला के प्रति गहरा सम्मान देखा है, जिसकी मैं सचमुच प्रशंसा करती हूं। दोनों ही दुनिया ने मुझे अलग-अलग तरीकों से आकार दिया है। मेरे लिए यह खुद को निखारने का मौका भी है, मैं

भाग्यशाली हूं कि मुझे दोनों इंडस्ट्री में काम करने का मौका मिला है

इससे पहले सई मांजरेकर ने एक पोस्ट में कहा था कि उनके पिता हमेशा से उनकी प्रेरणा रहे हैं, लेकिन कभी भी उनका शॉर्टकट नहीं रहे। मतलब कभी उन्होंने अपने पिता के नाम का फायदा नहीं उठाया। पहली बार जब सई ने एक्टिंग करने का फैसला किया तब उनके पिता ने एक्ट्रेस को सपोर्ट किया था और साथ ही कहा था कि इसके लिए सई को खुद ही मेहनत करनी होगी और वे किसी फिल्म के लिए उनकी सिफारिश नहीं करेंगे। अभिनेत्री हाल ही में तेलुगु एक्शन थ्रिलर फिल्म 'अर्जुन सन ऑफ वैजयंती' में नजर आई थीं। प्रदीप चिलुकुरी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में नंदमुरी कल्याण राम, विजय शांति, सोहेल खान और श्रीकांत जैसे सितारे भी हैं। अभी एक्ट्रेस ने अपनी नई फिल्म की घोषणा नहीं की है।

कावेरी प्रियम ने बताया क्यों आकर्षक लगा उन्हें 'दूरियां' का किरदार

अभिनेत्री कावेरी प्रियम ये रिश्ते हैं प्यार के और जिद्दी दिल माने ना जैसे धारावाहिकों में यादगार अभिनय के लिए मशहूर हैं। इन दिनों वो यूट्यूब पर स्ट्रीम हो रहे शो दूरियां में सोनिया का किरदार निभाती दिखाई दे रही हैं। कावेरी प्रियम ने यह किरदार क्यों चुना और यह उनके दूसरे किरदारों से कैसे अलग है, उन्होंने एक इंटरव्यू में इसके बारे में बताया। अभिनेत्री इस शो में एक ऐसी महिला का रोल प्ले कर रही हैं, जो प्रोफेशनल लाइफ में तो बड़ी मजबूत है, लेकिन पर्सनल लाइफ में काफी संघर्ष करती है। कावेरी प्रियम ने अपने किरदार के बारे में बात करते हुए कहा, सोनिया के किरदार की जटिलता ने मुझे इसकी तरफ तुरंत आकर्षित किया। वह न सिर्फ एक मजबूत महिला है, बल्कि एक तरीके से कमजोर भी है। पेशेवर तौर पर वह महत्वाकांक्षी और आत्मविश्वासी है, लेकिन निजी जिंदगी में वह असुरक्षित और बेहद भावुक है। इस किरदार का यही द्वंद्व उसे मेरे लिए आकर्षक बनाता है। कावेरी मानती हैं कि सोनिया के किरदार के लिए तैयारी करने का मतलब था कि उन असली महिलाओं को देखना जो काम पर अपनी ताकत और घर पर अपनी कमजोरी के बीच संतुलन बनाए रखती हैं। उन्होंने बताया कि इस तरह के किरदार निभाना उन्हें पसंद हैं, जो उन्हें कुछ नया करने की चुनौती दे। कावेरी ने कहा, मैं जानबूझकर स्क्रीन पर खुद को दोहराने से बचती हूं। सोनिया ने मुझे एक ही भूमिका में महत्वाकांक्षा, जुनून, कमजोरी और दिल टूटने का अहसास दिखाने का मौका दिया। मैं कई परतों वाली खामियों से भरे किरदारों और ऐसी कहानियों को तलाशना पसंद करती हूं, जो मुझे चुनौती दें, फिर चाहे वो फिल्म, ओटीटी, या टीवी किसी से भी जुड़े क्यों न हों।

तनाव की वजह से बीच में छोड़ा था एक सीरियल

टीवी एक्ट्रेस वाहबिज दोराबजी को 'प्यार की एक कहानी', 'सरस्वती चंद्र', और 'बहु हमारी रजनीकांत' जैसे सीरियल्स के लिए जाना जाता है। उन्होंने अपने करियर के मुश्किल दौर को याद किया। साथ ही बताया कि कैसे काम के तनाव की वजह से उन्हें एक सीरियल को बीच में ही छोड़ना पड़ गया था। इंटरव्यू में वाहबिज ने कहा, हां, मैंने एक शो बीच में ही छोड़ दिया था। मेरे जाने के कुछ दिनों बाद वो शो बंद हो गया क्योंकि शो उन पर ही आधारित था। सच कहूं तो काम के तनाव ने मुझ पर बहुत बुरा असर डाला था। मुझे मधुमेह था और ये गंभीर स्थिति तक पहुंच गया था। डॉटर्स ने मुझे आराम करने की सलाह दी थी। इसलिए मेरे पास कोई विकल्प नहीं था। अपने रिलेशनशिप स्टेटस के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा, मैं खुद पर, अपने करियर पर ध्यान केंद्रित कर रही हूं। रिश्तों के मामले में मैं बहुत पुराने जमाने की हूं। मैं 90 के दशक के ह्रश्वयार में विश्वास करती हूं। मैं किसी ऐसे व्यक्ति को चाहती हूं जो मेरे जीवन में कुछ अर्थ जोड़े, जो मेरे बराबर का हो, महत्वाकांक्षी हो, फिर भी परिवार के प्रति समर्पित हो। मुझे आजकल के स्वाइप कल्चर से बहुत डर लगता है। टीवी इंडस्ट्री के बिजी शेड्यूल पर भी उन्होंने बात की। वाहबिज दोराबजी ने अपनी राय रखते हुए कहा, टेलीविजन बहुत ही डिमांडिंग इंडस्ट्री है। जब आप इस दुनिया में आते हैं तो आपको पता होता है कि आप या करने जा रहे हैं। कभी- कभी प्रसारण का दबाव होता है और आप अपने प्रोडशन को कम नहीं कर सकते। लेकिन सच्चाई यह है कि हमारा शरीर इतना दबाव नहीं झेल पाता। मेरा मानना है कि आज की दुनिया को एक संतुलित और समग्र जीवनशैली की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर काम का समय सीमित कर दिया जाए, तो कलाकारों के अभिनय में निखार आएगा, वे स्वस्थ रहेंगे, और उत्पादकता भी बढ़ेगी। इससे सबको फायदा होगा।

हर इंडस्ट्री में काम करना चाहते हैं तेजा सज्जा

तेलुगु एक्टर तेजा सज्जा की पैन इंडिया फिल्म 'मिराई' रिलीज हो गई है। इस फिल्म को नॉर्थ इंडिया में रिलीज करने का जिम्मा बॉलीवुड फिल्ममेकर करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शन ने ली है। इससे पहले तेजा की पैन इंडिया फिल्म 'हनुमान' को भी हिंदी ऑडियंस ने खूब पसंद किया था। बातचीत में एक्टर ने हिंदी ऑडियंस और अलग-अलग भाषाओं में काम करने पर अपनी राय साझा की है।

आपकी फिल्म हनुमान को हर भाषा में ऑडियंस का प्यार मिला था। क्या आपको हिंदी इंडस्ट्री से ऑफर मिले?

हां, मुझे ऑफर्स आए थे। मैं जो भी फिल्म करता हूं, उसे लेकर काफी कंसर्न रहता हूं। मैं कोई भी प्रोजेक्ट तभी करता हूं, जब मैं अंदर से उसके लिए एक्साइटेड होता हूं। भाषा मेरे लिए प्रॉब्लम नहीं है। फिल्ममेकर कहीं से भी आ सकते हैं। आज कन्नड़ डायरेक्टर प्रशांत नील सर प्रभाष के साथ फिल्म बना रहे हैं। मेरी फिल्म हनुमान के डायरेक्टर कन्नड़ एक्टर ऋषभ शेट्टी के साथ फिल्म बना रहे हैं तो भाषा कहीं से दिक्कत नहीं है। हमारे इंडियन सिनेमा में मुझे किसी भी भाषा का कोई भी फिल्ममेकर फिल्म ऑफर कर सकता है और उसका पार्ट बनकर मुझे खुशी होगी।

'हनुमान' की वजह से बच्चों में आपकी काफी फैन-फॉलोइंग है। इसे आप कैसे देखते हैं?

मैं जानता हूं कि मैं जो फिल्में कर रहा हूं, वो बच्चों को बहुत पसंद आ रही हैं। इसलिए मैंने सोच-समझकर फैसला लिया है कि मेरी फिल्म साफ-सुथरी होंगी। सभी बच्चों को पसंद आनी चाहिए। मेरी फिल्मों में कूल अंदाज में नैतिकता को दिखाया जाएगा। मिराई में एक्शन की एक नई दुनिया देखने मिलेगी। अपने इतिहास को जिस अंदाज में हम ऑडियंस को बताने जा रहे हैं, मुझे पूरा भरोसा है कि बच्चों को ये भी पसंद आएगी।

आप पर्दे पर साउथ के कई बड़े नामों का बचपन निभा चुके हैं। उनकी तरफ से आपकी फिल्मों को लेकर क्या रिस्पॉन्स मिलता है?

'मिराई' को देख चिरंजीवी सर ने मुझे और प्रोड्यूसर दोनों के लिए लंबा-चौड़ा मैसेज भेजा था। प्रभाष सर को 'मिराई' का ट्रेलर बहुत पसंद आया। मुझे लगता है कि इंडस्ट्री में टॉप के जो भी लोग हैं, अगर वो देखते हैं कि कोई अपनी लिमिट से बाहर जाकर मेहनत कर रहा है, तो वो उसे मोटिवेट करते हैं।

अगर कभी मौका मिले तो किस भगवान का रोल निभाना चाहेंगे?

मैं अभी कुछ बताना नहीं चाहता हूं। मेरी एक बड़े कोलैबरेशन के लिए बातचीत चल रही है। उसमें भगवान का रोल नहीं है लेकिन उसमें हमारे इतिहास से जुड़ा एक किरदार है। इस पर अभी बात चल रही है इसलिए मैं आपको बता नहीं सकता हूं।

अच्छी कहानी मिले तो मैं जरूर करूंगा एलजीबीटीक्यू किरदार

अपनी सीरीज राणा नायडू सीजन 2 के लिए चर्चा बटोर चुके राणा दग्गुबाती बाहुबली के भल्लालदेव के किरदार के रूप में लोकप्रिय रहे हैं। अभिनेता ही नहीं निर्माता और डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में वे सिनेमा की बारीकियों को भी खूब जानते हैं। इस बार वे सनडांस फिल्म फेस्टिवल में विजेता साबित हुई मराठी फिल्म साबर बोंडा से जुड़े हैं।

बॉक्स ऑफिस इस वक्त काफी अनिश्चित दौर से गुजर रहा है, आपका क्या कहना है?

मुझे लगता है, बॉक्स ऑफिस एक न्यूट्रल चीज है। यह फिल्म के अच्छे या बुरे होने पर निर्भर करता है। बॉक्स ऑफिस का समय के साथ कोई रिलेशन नहीं होता। कांतारा, एनीमेशन फिल्म महावतार नरसिम्हा और कई इंडिपेंडेंट तमिल-तेलुगू फिल्मों ने भी बहुत अच्छा बिजनेस किया। जैसे कांतारा 15 करोड़ की फिल्म थी, मगर उसने 500 करोड़ का बिजनेस किया था। सिनेमा में अच्छा-बुरा दौर चलता रहता है। दर्शकों को वैरायटी चाहिए होती है, मगर मेकर्स की प्रॉब्लम ये है कि अगर एक्शन या लव स्टोरी चल गई, तो वे लगातार उसी तरह की फिल्म बनाने में लग जाते हैं। मगर इंडिपेंडेटंट फिल्मों की लागत बड़ी फिल्मों की तुलना में कम होती है, तो बॉक्स ऑफिस पर इनके सर्वाव करने के चांसेज ज्यादा होते हैं।

स्टार्स अगर अपनी फीस कम करें, तो फिल्म के बजट को कंट्रोल में लाया जा सकता है?

स्टार्स की फीस का सवाल पूरी तरह पर्सनल चॉइस है। अगर उनकी फीस ज्यादा लगती है, तो मेकर्स न्यूकमर्स के साथ फिल्म बना सकते हैं। हर कोई अपनी वैल्यू की कीमत मांगता है और कई प्रोड्यूसर उसे देने को तैयार भी होते हैं। असल मसला भरोसे का है। क्या आप नए डायरेक्टर्स या नए चेहरों पर दांव लगाने को तैयार हैं? बहुत कम लोग ऐसा करते हैं। जबकि दूसरी इंडस्ट्रीज़ में देखें तो नानी, विजय देवरकोंडा जैसे एक्टर्स नए डायरेक्टर्स के साथ काम करते हैं और तरुण भास्कर जैसे फिल्ममेकर्स ने पहली ही फिल्म में खुद को साबित किया। सलमान दुलकर ने भी नए डायरेक्टर सेल्वा के साथ काम किया। यहां यही कमी है कि लोग एक-दूसरे पर यकीन नहीं करते। आखिरकार, फिल्म को उसकी कहानी और मेरिट पर तौला जाना चाहिए। अगर ऐसा हो, तो बजट, फीस और बाकी समस्याएं खुद सुलझ जाएंगी।

वो दौर कैसा था, जब आपको एक आंख से दिखाई नहीं देता था? आप कई तरह की सर्जरी से भी गुजरे?

हर इंसान की जिंदगी में मुश्किलें आती हैं, लेकिन वही चुनौतियां इंसान को मजबूत बनाती हैं। मेरे लिए उस कठिन दौर में सबसे बड़ा सहारा मेरा परिवार और सिनेमा रहा। विजुअली इंपेयर्ड होने की कमी को ही मैंने अपनी ताकत बना लिया। पढ़ाई, डिबेट, ड्रामा, हर जगह अच्छा करता था, और स्टेज परफॉर्मेंस के वक्त मुझे ऑडियंस दिखती ही नहीं थी, तो स्टेज फ़ियर का सवाल ही नहीं था। एक्शन सीन के दौरान भी मैं बिंदास परफॉर्म करता हूं।

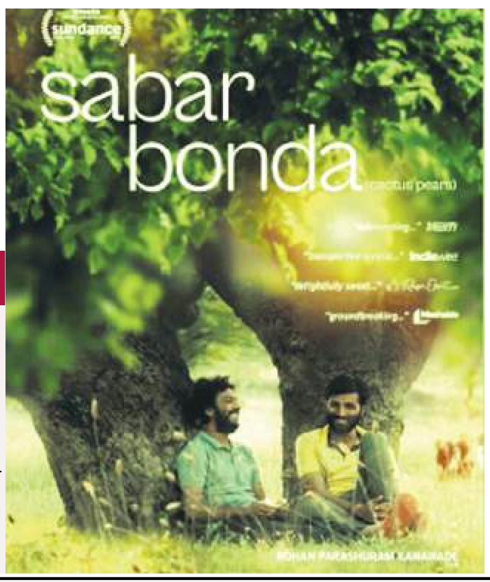

साबर बोंडा जैसी एलजीबीटीक्यू कम्युनिटी की मराठी फिल्म से जुड़ने का क्या कारण रहा?

दर्शकों को हमेशा नया कंटेंट चाहिए, लेकिन पिछले दस सालों में ऐसे सिनेमा को वो प्लेटफॉर्म नहीं मिला जिसकी जरूरत थी। कुछ फिल्में ओटीटी या इंटरनेशनल फेस्टिवल्स तक तो पहुंचती हैं, मगर आम दर्शक तक नहीं। जैसे निर्देशक रोहन कानावड़े की यह फिल्म सनडांस फिल्म फेस्टिवल में विजेता साबित होने वाली दक्षिण एशिया की पहली फिल्म थी। पहले श्याम बेनेगल, के. विश्वनाथ, के. बालाचंदर जैसे फिल्मकार सामाजिक मुद्दों की आवाज हुआ करते थे। आम समाज में या दूसरे क्षेत्रों में भले इन्हें टैबू समझा जाता हो, मगर सिनेमा और आर्ट्स ने हमेशा इनका स्वागत किया है। कई डिजाइनर्स और क्रिएटिव लोग ऐसे हैं, जिनके साथ मैंने काम किया है इस फिल्म का हैपी एंडिंग भी लोगों का नजरिया बदलेगी। जहां तक एलजीबीटीक्यू किरदार निभाने की बात है, तो जरूर, यदि मुझे कोई अच्छी कहानी मिले तो मैं जरूर करूंगा।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 2442 42 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327, E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।